आर.एन.आई. नं. एम.ए.आर./2000/2438
डाक पंजीयन संख्या म.प्र./भोपाल/44/2021–23
''चतुर्वेदी चन्द्रिका'' अक्टूबर–नवम्बर 2023

प्रकाशन : 03 तारीख
पृष्ठ संख्या : 48
मूल्य : 20/–

स्थापना – माघ/शुक्ल पूर्णिमा सम्वत् 1947 सन् 1890

चतुर्वेदी चन्द्रिका

वर्ष –24 | अंक–10 | –अश्विन–कार्तिक/मार्गशीर्ष मास | अक्टूबर–नवम्बर 2023

श्री लक्ष्मीपति चतुर्वेदी

श्री अजय चतुर्वेदी

डॉ. रजत चतुर्वेदी

श्री विकास चतुर्वेदी (चुन्ना)

डॉ. मलय चतुर्वेदी

डॉ. अभिलाष चतुर्वेदी

श्री मोहित चतुर्वेदी

श्री विश्वतोष चतुर्वेदी

श्री सौरभ चतुर्वेदी

श्री स्वतंत्र प्रकाश चतुर्वेदी

श्री विष्णुस्वरूप पांडे

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा का मुखपत्र

चौबेजी®
Since 1908
मसाले

आगरा का मशहूर चौबेजी का दाल का मसाला

ORIGINAL PRODUCT
ORIGINAL DAL MASALA
ORIGINAL PRODUCT

सन 1908 से

100
साल से ज्यादा का
लाजवाब स्वाद,
शुद्धता और भरोसा

50+ उत्पाद उपलब्ध

टोल फ्री व्यापारिक पूछताछ के लिए संपर्क करें:
कॉल: 705-562-1720
1800-270-4485

ऑनलाइन खरीदें:
www.Chaubejeespices.com

Chaubejee & Sons

Unit I : Plot No. B-2 Site - B. U.P.S.I.D.C, Industrial Area Sikandra, Agra- 282007 (U.P.)
fssai Lic. No. 10018051002665

Unit II: Plot No. D-7 Site - B U.P.S.I.D.C, Industrial Area Sikandra, Agra- 282007 (U.P.)
fssai Lic. No. 10019051003095

(र.क्र. 2023/2038)

आपका समृद्ध परिवार
आपकी स्मृतियों की रक्षा करता है
और उन्हें संजोता है

डैडी: प्रातः स्मरणीय श्रद्धेय स्वर्गीय
श्री राम नारायण पांडे

अम्मा : प्रातः स्मरणीय श्रद्धेय स्वर्गीय
श्रीमती कुसुमलता पांडे

राजीव पांडे - आभा पांडे
संतान: मास्टर ऋषभ पांडे एवं मणी पांडे

संजीव पांडे - प्रीति पांडे
संतान - मास्टर यशस्वी पांडे

प्रसून पांडे - राखी पांडे
संतान - सौम्या पांडे एवं मास्टर दिव्य पांडे

आदित्य पांडे - निधि पांडे
संतान - मास्टर तरूष पांडे

(र.क्र. 2023/2037)

ऋग्वेद
यजुर्वेद
सामवेद
अथर्ववेद

आयोजित
(चुन्ना)

बैठक

डा.प्रदीप चतुर्वेदी जी

ओमकार नाथ चतुर्वेदी सार्वजनिक
धर्मशाला समिति

धर्मशाला
श्री माथुर
राष्ट्रीय

बाबू ओमकार नाथ चतुर्वेदी
धर्मशाला

बाबू ओमकार नाथ चतुर्वेदी
धर्मशाला

बाबू

दिपावली एवं नववर्ष

की

हार्दिक शुभकामनाऐं

श्री राजेन्द्र जैन
पुर्व विधायक

सौ.वर्षाताई पटेल
अध्यक्ष, मनोहरभाई पटेल अॅकेडमी

श्री प्रफुल पटेल
सांसद, राज्यसभा

गोंदिया (महाराष्ट्र)

(र.क्र. 2023/2050)

Bharatgas
COOK FOOD. SERVE LOVE.
जगमग करती दीपरेखा
घर को सजाती हैं।
दीपावली के तेजोमयी त्यौहार में
अपनों को क़रीब लाती हैं।
दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं
श्री. दिलीप चौबे एवं श्रीमती सुनंदा चौबे
श्री. राहुल चौबे एवं श्रीमती प्रज्ञा चौबे
कुमारी पिहू राहुल चौबे
रेक्वा गॅस
एजन्सी
दु. नं. 109, खान्देश मिल शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, जलगांव. 425001 फोन: (0257) 2221095,
2221195, 2225195, 2228495. | rekhagas20032003@rediffmail.com
malhar.org

पालागन

पालागन

मे. जगदीशप्रसाद सुरेन्द्रनाथ चौबे

लाख चौरी, चपड़े के थोक व्यापारी, गोंदिया (महा.)

Lakh

Lakh Dana

Lakh Chapda

दिपावली की हार्दिक शुभकामनायें ...

आपके प्रगती पथ पर एक दीप हमारी ओर से ...

प्रोप्रा.

देवेन्द्रनाथ

9823545427

नागेन्द्रनाथ

9422130777

भुवनेश कुमार

9422130798

सरजुप्रसाद, हेमंतकुमार, मनोजकुमार, विरेन्द्रकुमार, परितोष,
चंचल, देवांश, प्रणव, एवं समस्त बंशीधर बाबा परिवार
(पुराकन्हेरा-आगरा) गोंदिया

पंजाब नेशनल बैंक के सामने, गोंदिया (महा.)

(र.क्र. 2023/2045)

दिपावली की हार्दिक शुभकामनायें ...

Durga Traders

Canvassing Agent
Paddy, Rice, Pulses & Oil Seeds Etc.

महेश गोयल

अध्यक्ष – श्री मारवाडी युवक मंडल, गोंदिया
अध्यक्ष – विदर्भ राईस एक्सपोर्ट ब्रोकर असोसिएशन

27, Gurunanak Ward, Grain Market Road, GONDIA-441601 (M.S.)
Tel. : 07182-234466, 9422130756, 8412042557 (Manu) Mahesh Goyal
E-mail : ricecity456@gmail.com

(र.क्र. 2023/2045)

(र.क्र. 2023/2042)

चतुर्वेदी चन्द्रिका

अपनों से मन की बात	12
संपादकीय	13
संपादक के नाम	15
कार्यकारिणी बैठक	17
अन्नपूर्णा सहायता हेतु प्राप्त सहयोग राशि	20
एक संपूर्ण,समर्पित व्यक्तित्व- डॉ. सतीश चंद्र चतुर्वेदी	21
सच्चे कर्मयोगी जनप्रिय समाज सेवी: डा0 प्रदीप चतुर्वेदी	22
समाज आधार स्तम्भ - श्री विकास चतुर्वेदी	23
काल से परे महाकाल की नगरी - उज्जैन	24
चुनाव अधिसूचना	27
दीवाली पर्व - मात्र परिपाटी न निभायें	31
तीसरी बकरी !!	33
शाखा समाचार	36
समाज समाचार	37
बिछड़े स्वजन	38

अंक 10
नवंबर 2023, वर्ष - 24

सभापति
डॉ. प्रदीप चतुर्वेदी
president@chaturvedimahasabha.in

सचिव
श्री मुनीन्द्रनाथ चतुर्वेदी
मोबा. 098711-70559

कोषाध्यक्ष
श्री महेशचन्द्र चतुर्वेदी
मोबा. 09868875645

संपादक सलाहकार मंडल
डॉ. कुश चतुर्वेदी, इटावा
पूर्व संपादक
श्री दिलीप सिकन्दरपुरिया, लखनऊ
श्रीमती चित्रा दिलीप चतुर्वेदी, भोपाल

संपादक
शशांक चतुर्वेदी
पत्र व्यवहार का पता:
'चतुर्वेदी चंद्रिका', ई-8/जी2/255
गुलमोहर कॉलोनी, भोपाल
(मध्यप्रदेश)
मोबा. 9826086879
ई- मेल :
sampadak.chaturvedichandrika@gmail.com
वेबसाइट : www.chaturvedimahasabha.in

मासिक पत्रिका चतुर्वेदी चंद्रिका में प्रकाशित लेखकों में व्यक्त विचार संबंधित लेखक के हैं। उनसे संपादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है। सभी विवादों का निबटारा भोपाल अदालत में किया जायेगा।

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा
: Account No. :
1006238340
: IFSC Code :
CBIN0283533
: Branch :
Central Bank of India
Anand Vihar, Delhi

SHREE MATHUR CHATURVED
10292296@cbin
BHIM UPI

पत्रिका पाँच वर्षीय तथा महासभा आजीवन सदस्यता शुल्क
1000 + 501 = 1501/-
महासभा सत्र + पत्रिका
वार्षिक सदस्यता शुल्क-
101+ 251 = 352/-

प्रकाशक : मुनीन्द्रनाथ चतुर्वेदी, श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा के लिए स्पेसिफिक ऑफसेट, भोपाल से मुद्रित, संपादक शशांक चतुर्वेदी

सभी सदस्यों को पत्रिका डाक द्वारा भेजी जाती है। पत्रिका न मिलने की दशा में पत्रिका कार्यालय की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

अपनों से मन की बात

● डॉ. प्रदीप चतुर्वेदी
Email : president@chaturvedimahasabha.in

हर दिन स्वयं का मूल्यांकन करना एक अच्छी आदत है, जो हमें जीवन के हर क्षेत्र में सफलता दिलाती है। जीवन में किसी न किसी समय, हम अपने आंतरिक व्यक्तित्व (inner self) के बारे में अन्य लोगों से फीडबॅक पाते हैं, कि हम कौन हैं, हम क्या हो सकते हैं और हम अपने को कैसे सुधार कर सकते हैं? एक नयी पहल यह है कि दूसरों की नजरों से खुद को जानने के बजाय, हम रोज अपना स्वयं का मूल्यांकन कर सकते हैं और अपने आंतरिक व्यक्तित्व में सुधार ला सकते हैं।आपके बारे में अन्य लोगों की राय या मूल्यांकन आमतौर पर उनके दृष्टिकोण, मूड या व्यक्तित्व से प्रभावित होती है। इसलिए स्व-मूल्यांकन यह समझने का सबसे विश्वसनीय तरीका है कि आप वास्तव में कौन हैं और आप स्वयं को कैसे बदल सकते हैं?

बहाना बनाने के लिए किसी मशक्कत की जरूरत नही पड़ती है। एक खोजो हजार बहाने मिल जाते है, क्योंकि बहाने हमारे प्रतिरक्षा प्रणाली (सेल्फ डिफेंस) का हिस्सा है। अब यह हमें तय करना होता है कि हम बचाव की मुद्रा में सारी जिंदगी काट दें या फिर आक्रामक अंदाज में अपनाकर हर काम को अंजाम देते चले जाए।

हमारे द्वारा संपादित कार्य ही हमें प्रसिद्धि, यश अथवा निंदा के अपयश के भागी बनाने में सहायक होते है। प्रसिद्धि पाने के लिए किसी प्रचार प्रसार की आवश्यकता नहीं होती है, हमारे किए कर्म ही अच्छे और बुरे की कसौटी है। वैसे सामने वाले का देखने का नजरिया, समय व परिस्थिति यश और अपयश दिलाने में बहुत बड़ी भूमिका का निर्वहन करते हैं।

समाज सेवा एक निस्वार्थ कार्य है। जिसके लिए किसी पद या अलंकरण की आवश्यकता नहीं होती है। आपका कार्य ही आपकी पहचान होता है। आपके कार्य से ही आपकी समाज में पहचान बनती है जिसके फल स्वरुप आपको समाज पुरस्कृत भी करता है। यह पुरस्कार आपमें नई ऊर्जा का संचार करते हैं साथ ही आपका उत्साह वर्धन भी करते हैं। अतः बिना किसी स्वार्थ व लालच के समाज सेवा के क्षेत्र में आपका स्वागत है।

कानपुर शहर के वरिष्ठ समाजसेवियों, बुद्धिजीवियों व वह विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योग्यता प्राप्त करने वाले बांधवों को श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा द्वारा सम्मानित किया गया। इन सभी की सेवाओं को सम्मानित कर श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा अपने आप को गौरवान्वित महसूस करती है।

इसी क्रम में कानपुर के युवा समाजसेवी श्री विकास चतुर्वेदी (चुन्ना भैया) को अपनी कार्यकारिणी में संरक्षक पद पर मनोनीत कर हम गौरवान्वित हैं। आशा है, उनके सामाजिक सहयोग से समाज उन्नति करेगा। इस अवसर पर महासभा के संरक्षक सर्वश्री डॉ. सतीश चंद जी, त्रिभुवन जी, कमलेश पांडे जी उपस्थित थे। कानपुर कार्यकारिणी की बैठक की कम समय में उच्च कोटि की व्यवस्था हेतु श्री विकास चतुर्वेदी चुन्ना व उनके सहयोगियों के समाज के कानपुर समाज का बहुत-बहुत आभार व बधाई।

इस अवसर पर पाँच सदस्यीय चुनाव समिति का गठन किया गया। जिसमें श्री गोपाल कृष्ण जी (मैनपुरी/नोएडा) संयोजक होंगे। जिनके नेतृत्व में यह संपूर्ण चुनावी प्रक्रिया संपन्न होगी। इस समिति में अन्य सदस्य डॉ. सतीश जी (सदस्य), डॉ. प्रदीप जी (सदस्य), श्री मुनींद्र नाथ जी (सदस्य), श्री महेश जी (सदस्य) होंगे। इसके बाद इस निर्वाचन समिति की बैठक में आगामी सभापति के निर्वाचन कार्यक्रम का निर्णय लिया गया। विस्तृत चुनाव कार्यक्रम की घोषणा चतुर्वेदी चंद्रिका के वर्तमान अंक में प्रकाशित की जा रही है। आगामी चुनाव के लिए मेरी शुभकामनाएं।

महासभा के पूर्व उपसभापति आदरणीय अर्जुन सिंह चतुर्वेदी (पुरा/फिरोजाबाद) के स्वर्गवास पर मैं संपूर्ण समाज की ओर से उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ।

माता की आराधना का पर्व नवरात्रि के आनंद पूर्वक समापन के बाद संपूर्ण समाज के बान्धव आगामी दीपोत्सव की तैयारी में व्यस्त हैं। आगामी दीपोत्सव के लिए मेरी सभी को शुभकामनाएं। आपका पर्व आपके जीवन में सुख, समृद्धि, हर्ष-उल्लास में बढ़ोतरी करें व आपकी सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करें।

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ !!!!!!

संपादकीय

चन्द्रिका का यह अंक जब आपके हाथों में होगा, तब आप सभी दीपावली के आगमन में अति-व्यस्त होंगे। यह हिन्दू धर्म की सुंदरता है कि हमारे पंचांग में शायद ही कोई माह होगा, जिसमें व्रत,पर्व अथवा त्यौहार न हो। नवरात्र, नवमी, दशहरा के बाद दीपावली की जगमगाहट। दिवाली पर श्रीगणेश एवं माँ लक्ष्मी की पूजा-अर्चना कर दीपमालिका से अन्धकार का समूल नाश करने का प्रयास ही तो दीपावली है। आप सभी को दीपावली की अनन्त मंगलकामनाएं।

स्वतंत्रता का अर्थ क्या होता है ? स्वतंत्रता का अर्थ अपने विचारों की स्वतंत्रता है, तो ऐसे विचारों से तात्पर्य क्या होता होगा ? विचारों की स्वतंत्रता से तात्पर्य यह होगा, जिससे किसी दूसरे व्यक्ति को ठेस ना पहुंचे। हम विगत समय में भी यह सुनते आए हैं कि संपादक को स्वतंत्रता दी जानी चाहिए। संपादक को दबाव में काम करना होता है। चतुर्वेदी चंद्रिका के संपादक को भी पूर्णतः स्वतंत्रता रहती है, किंतु जब कोई चर्चा, मुद्दा या मामला महासभा के संविधान के विषय या नीति से सम्बंधित हो तो अपने अग्रजों, अनुभवी सहयोगियों से सलाह लेना गलत नहीं होता है। सलाह लेना हमेशा श्रेष्कर होता है। अपनों से विचार-विमर्श करना मेरे नजर में गलत नहीं है, बल्कि यह आपको गलती करने या होने से बचाती है। विगत 5 वर्षों में मेरा अनुभव यह कहता है, कि महासभा के मुख-पत्र का संपादक पूर्णतः स्वतंत्र होता है, लेकिन अगर महासभा की रीति-नीति के विषय में कोई चर्चा हो तो उसके लिए अपने सभापति या अन्य अनुभवी सहयोगियों से विचार विमर्श कर लेना चाहिए। इसमें कोई अहम वाली बात नहीं होनी चाहिए। चतुर्वेदी चंद्रिका कोई व्यावसायिक पत्रिका ना होकर श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा का मुख-पत्र है, इसलिए महासभा की रीति-नीति के अनुसार चलना महासभा के मुख-पत्र का धर्म है। क्योंकि महासभा क्या सोचती है, क्या करती है , यह सारी जानकारी महासभा के मुख-पत्र के द्वारा ही समाज को दी जाती है। आज के जमाने में व्हाट्सएप और फेसबुक को लोगों ने प्रचार प्रसार का जरिया बना रखा है। लेकिन आज भी महासभा का आधिकारिक वक्तव्य महासभा के मुख-पत्र चतुर्वेदी चंद्रिका में प्रकाशित समाचार को ही आधिकारिक माना सकता है।

इस कार्य में समय-समय पर आवश्यकता अनुसार मुझे हमारे माननीय सभापति डॉ. प्रदीप जी का मार्गदर्शन प्राप्त होता रहता है।

इस माह शीघ्र ही हम दीपोत्सव मनाने जा रहे हैं। इस अवसर पर समाज के अनेक बांधवों ने अपने प्रतिष्ठानों के विज्ञापन चतुर्वेदी चंद्रिका को प्रदान किए हैं। कुछ लोगों ने अपने संबंधों से अपने मित्र जनों के विज्ञापन भी हमें उपलब्ध कराए हैं। इस कार्य हेतु में श्री भुवनेश चतुर्वेदी (गोंदिया) का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूँ। इसी के साथ में उन सभी विज्ञापन दाताओं का भी आभार व्यक्त करता हूँ। जिन्होंने चतुर्वेदी समाज के मुख- पत्र में विज्ञापन देकर सहयोग किया है। महासभा के संरक्षक डॉ. सतीश जी (नागपुर), श्री दिलीप जी (जलगांव), श्री तनय जी (दमोह) से भी हमें विज्ञापन के रूप में वार्षिक सहयोग मिल रहा है। इस अवसर पर मैं श्रीमती उषा जी (भोपाल), श्रीमती चित्रा जी (भोपाल), श्री दिलीप सिकंदरपुरिया जी (लखनऊ), डॉ. कुश जी (इटावा), कैलाश जी (कासगंज) व बड़े भाई श्री भरत जी (रिषड़ा) का भी प्रकाशन सामग्री उपलब्ध कराने हेतु आभार व्यक्त करता हूँ। अभी हाल में आयोजित महासभा की कानपुर बैठक का सचित्र वर्णन उपलब्ध कराने हेतु मैं श्री मुनींद्र नाथ जी (सचिव, महासभा) एवम श्री आशुतोष चतुर्वेदी व श्री आकर्ष चतुर्वेदी (कानपुर) का भी आभार व्यक्त करता हूँ। कानपुर बैठक के चित्रों की छायांकन में सर्वश्री अंशुमानजी (जयपुर), अभय राज जी (गुरुग्राम), विशाल जी (आगरा) व संजय मिश्रा (कानपुर) के भरपूर सहयोग के लिए आभार।

पत्रिका के इस अंक में महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की कानपुर बैठक का विवरण प्रकाशित किया जा रहा है। महासभा इस समय अपने नव निर्वाचित सभापति के चयन की तैयारी कर रही है। इसीलिए इस पत्रिका में चुनाव कार्यक्रम संबंधित सामग्री प्रकाशित की जा रही है। जिससे इस अंक में हम दीपावली संबंधित सामग्री सूक्ष्मता से दे रहे हैं। इस पावन पर्व को स्पर्श करने का प्रयास किया है। कानपुर में सम्मानित सभी समाजसेवियों व वरिष्ठजनों को हार्दिक बधाई। कानपुर के समाजसेवी श्री विकास चतुर्वेदी के महासभा के संरक्षक बनाए जाने पर हार्दिक बधाई।

दीपावली की मंगल कामनाओं सहित आपका

- शशांक चतुर्वेदी

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा महासभा कार्यकारिणी - 2020-2023

ऋग्वेद
यजुर्वेद
सामवेद
अथर्ववेद

संरक्षक : डॉ. सतीश चतुर्वेदी (नागपुर), श्री भरत चंद्र चतुर्वेदी(भोपाल) (पूर्व सभापति), श्री राजेंद्र आर. चतुर्वेदी, (मुम्बई) (पूर्व सभापति), श्री कमलेश पाण्डे (नोएडा) (पूर्व सभापति), ले. ज. विष्णुकांत चतुर्वेदी (नोएडा), श्री मदन चतुर्वेदी (कोलकाता), श्री बालकृष्ण चतुर्वेदी (नोएडा), श्री विकास चतुर्वेदी (कानपुर)

सभापति : डॉ. प्रदीप चतुर्वेदी (दिल्ली)

उप सभापति : श्री कैलाश चतुर्वेदी (कासगंज), श्री मनोज चतुर्वेदी (बैंगलोर), श्री विनोद चतुर्वेदी (मुम्बई)
मंत्री : श्री मुनींद्र नाथ चतुर्वेदी (नोएडा)
संयुक्त मंत्री : श्री भरत चतुर्वेदी (रिषड़ा), श्री ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी (गाजियाबाद), श्री आशुतोष चतुर्वेदी (कानपुर), श्री अंशुमान चतुर्वेदी (जयपुर)
कोषाध्यक्ष : श्री महेश चतुर्वेदी (दिल्ली)

संपादक,चतुर्वेदी चंद्रिका – श्री शशांक चतुर्वेदी (भोपाल) **ऑडिटर – शिव एसोसिएट,** नई दिल्ली

माननीय कार्यकारिणी सदस्य : श्री दिलीप सिंकदरपुरिया (लखनऊ), श्री ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी (नागपुर), डॉ. कुश चतुर्वेदी (इटावा), श्री शशांक चतुर्वेदी (भोपाल), श्री मनीष चतुर्वेदी (हरदोई), डा. राकेश चतुर्वेदी (मथुरा), डा. राजीव चतुर्वेदी (पुणे), श्री पंकज चतुर्वेदी (मुम्बई), श्री सुशील पाठक (मुम्बई), डॉ. ऋषभ चतुर्वेदी (देहरादून), श्रीमती बीना मिश्रा (हैदराबाद), श्री राकेश चतुर्वेदी(बरेली), श्री करुणेश चतुर्वेदी (ग्वालियर), श्री अजय चौबे(भोपाल), श्री प्रदीप चतुर्वेदी "लालन" (आगरा), श्री भुवनेश कुमार चौबे(गोंदिया), श्री पुनीत चतुर्वेदी (आगरा), श्री प्रदीप चतुर्वेदी "संजू"(ग़ाज़ियाबाद), श्री ललित चतुर्वेदी (कोटा), श्री राहुल चतुर्वेदी (मैनपुरी), श्री विशाल चतुर्वेदी (पुरा), श्री गोविंद चतुर्वेदी (जयपुर), श्री गोविंद चतुर्वेदी (इंदौर), श्री ललित चतुर्वेदी (लखनऊ), श्री अभयराज चतुर्वेदी (गुरुग्राम), श्री विनय चतुर्वेदी (अहमदाबाद), श्री अभिषेक चतुर्वेदी (ग्वालियर), श्री प्रवेश चतुर्वेदी (कानपुर) श्री नीलकमल चतुर्वेदी (कोलकाता), श्री हेमंत चतुर्वेदी (नासिक), श्री अनिल चतुर्वेदी (प्रयागराज), श्री सुदीप चतुर्वेदी (फिरोजाबाद), श्री सुशील चतुर्वेदी (फ़रीदाबाद), डॉ. मनीष चतुर्वेदी (कोटा), श्री लोकेंद्र नाथ चतुर्वेदी (गाजियाबाद), श्री शिव नारायण चतुर्वेदी (कोटा), श्री विपिन चतुर्वेदी (लखनऊ), श्रीमती पूनम चतुर्वेदी (लखनऊ), श्री आशीष चतुर्वेदी (आगरा)।

स्थाई आमंत्रित सदस्य : श्री अविनाश चतुर्वेदी (कानपुर), श्री पदम कुमार चतुर्वेदी (लखनऊ), श्री प्रताप चंद्र चतुर्वेदी (लोनी), श्री सुभाष चतुर्वेदी (मुम्बई), श्री राजेन्द्र प्रसाद चतुर्वेदी "अन्नी" (प्रयागराज), श्री मनमोहन चतुर्वेदी (मैनपुरी), श्री अशोक चतुर्वेदी (फरीदाबाद), श्री बिपिन पांडेय (गाजियाबाद), श्री कमलेश रावत (कोटा), श्री राहुल चतुर्वेदी (मुम्बई), श्री प्रवीण चतुर्वेदी (हैदराबाद), श्री ईश्वर नाथ चतुर्वेदी (कोलकात्ता), श्री अरुण चतुर्वेदी (जयपुर), श्री अमित चतुर्वेदी (मथुरा), श्री योगेंद्र चतुर्वेदी (ग्वालियर)।

विशेष आमंत्रित सदस्य : श्री नीरज चतुर्वेदी (मैनपुरी), श्री गजेंद्र चौबे (दमोह), श्री दिनकर राव चतुर्वेदी (फरौली), श्री कौशल चतुर्वेदी (दिल्ली), श्री मधुकर पाठक (आगरा), श्री चैतन्य किशोर चतुर्वेदी (फर्रूखाबाद), श्री संजय मिश्रा (कानपुर), श्री अम्बर पाण्डे (भोपाल), श्री अरुण चतुर्वेदी (नागपुर), श्री मुकेश चतुर्वेदी (रिषड़ा), श्री भारत भूषण चतुर्वेदी (लखनऊ), श्री शशिकांत चतुर्वेदी (आगरा), श्री अरविंद चतुर्वेदी (फिरोजाबाद), श्री महेंद्र चतुर्वेदी (जयपुर), श्री दिलीप चतुर्वेदी (फिरोजाबाद), श्री लेखेंद्र चतुर्वेदी "पुत्तन" (लखनऊ), श्री शशांक गिरीश चौबे (नागपुर), श्री संजय चतुर्वेदी (अहमदाबाद), श्री बसंत रमेश चौबे (भिलाई), श्री नितिन चतुर्वेदी (निम्बाहेड़ा), श्री राजेश चतुर्वेदी, "गुड्डू" (कोलकत्ता), श्री हर्ष मोहन चतुर्वेदी, "मोहित" (आगरा), श्री दिनेश चतुर्वेदी (बाह), श्री मनीष चतुर्वेदी (दिल्ली), श्री मनोज मिश्रा (मैनपुरी), श्री संजय चतुर्वेदी (फरीदाबाद), श्री आशीष चतुर्वेदी, रानू (आगरा), श्री दीपक चतुर्वेदी (लखनऊ), श्री आशीष सुभाष चतुर्वेदी (आगरा)।

महिला प्रकोष्ठ : श्रीमती ऊषा चतुर्वेदी (भोपाल) (संयोजक), श्रीमती नीलिमा चतुर्वेदी (कानपुर), श्रीमती विनीता चतुर्वेदी (देहरादून), श्रीमती समता चतुर्वेदी (दौसा), श्रीमती पूनम चतुर्वेदी (लखनऊ), श्रीमती संध्या चतुर्वेदी (ग्वालियर), श्रीमती अर्चना चतुर्वेदी (जयपुर), श्रीमती दीपाली चतुर्वेदी (ग्वालियर), श्रीमती रश्मि चतुर्वेदी (नोयडा), श्रीमती अरूणा चतुर्वेदी (कोटा), श्रीमती कीर्ति मिश्रा (हैदराबाद), श्रीमती निधि चतुर्वेदी (आगरा)।

युवा प्रकोष्ठ : डॉ. मनीष चतुर्वेदी (कोटा), (संयोजक), श्री सुधांशु चतुर्वेदी (दिल्ली), श्री रीगल चतुर्वेदी (भिंड), श्री दिवस चतुर्वेदी (लखनऊ), श्री आशीष चतुर्वेदी (हावड़ा), श्री दुर्गेश चतुर्वेदी (जयपुर) श्री गगन चतुर्वेदी (पुरा), श्री पुलकित चतुर्वेदी (नोएडा), श्री सुनील चतुर्वेदी (जयपुर), श्री सावन चतुर्वेदी (आगरा)।

चिकित्सा प्रकोष्ठ : डॉ. संजय चतुर्वेदी (आगरा), डॉ. अरविंद चतुर्वेदी (दिल्ली), डॉ. निखिल चतुर्वेदी (आगरा)

आई टी प्रकोष्ठ : श्री ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी (गाजियाबाद), श्री प्रसून चतुर्वेदी (भुवनेश्वर)।

पता : 405-406, चिरंजीव टावर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली - 110019

संपादक के नाम

प्रिय भाई शशांक,

आपने चतुर्वेदी चंद्रिका संपादन में जिस लगन और समर्पण का परिचय दिया है वह अतुलनीय है। पत्रिका का बहु आयामी विस्तार इस बात का परिचायक है कि आपने कितना परिश्रम किया है। न केवल संपादन कार्य को अपने सम्पूर्ण समर्पण से निभा रहे हैं साथ में यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि सही समय से पत्रिका के वितरण की व्यवस्था कोई कोताही न हो पाए। इन प्रशंसनीय कार्यों के लिए आप को साधुवाद ! बहुत बहुत बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं!!!

– **भरत चतुर्वेदी,** रिषड़ा

***

भाई शशांक जी पालागन चतुर्वेदी चंद्रिका का अंक मिला वैसे तो यह वाट्स एप पर मिल गया था लेकिन हार्ड कॉपी देख कर हृदय गद गद हो गया बड़ी जी उच्च तकनीक से छपाई का कार्य किया गया है अध्यक्ष जी एवम संपादक जी का विश्लेषण बहुत ही अच्छा लगा मुख पृष्ठ पर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की द्वारा सम्मानित शिक्षको के छाया चित्रों से समाज में सम्मानित हुए शिक्षको के बारे मैं जानकारी मिली हमारे समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं है आगे जिस प्रकार से महामंत्री जी ने कार्यकारिणी बैठक का सचित्र वर्णन काबिले तारीफ़ है समाज के बुजुर्ग एवम समाज के गौरव सम्मान का सचित्र प्रदर्शन ब अन्य विषयों पर लेख एक उदाहरण है समाज में विवाह से पूर्व सारे कार्यक्रम सुचारू रूप से प्रदर्शित किए गए हैं यह पत्रिका संयोजित करने योग्य है अध्यक्ष जी महामंत्री जी के साथ साथ प्रबुद्ध एवम युवा शक्ति संपादक को बहुत बहुत बधाई अभिनंदन साधुवाद

– मुकेश चतुर्वेदी
अध्यक्ष श्री माथुर चतुर्वेदी सभा आगरा रेजि.

***

आदरणीय अध्यक्ष श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा पालागन चतुर्वेदी चंद्रिका की हार्ड कॉपी आज डाक द्वारा प्राप्त हो गई आपके द्वारा आगरा में आयोजित महासभा की कार्यकारिणी बैठक के बारे में जो भी उदगार प्रस्तुत किए हैं मेरे साथ साथ आगरा श्री माथुर चतुर्वेदी सभा आगरा रजि० के सभी कार्यकताओं एवम पदाधिकारियों द्वारा आपको अनेकों बार धन्यवाद प्रेषित किया जाता है। आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी आप हमको ऐसे ही सेवा का अवसर देते रहेंग। पालागन

– **मुकेश चतुर्वेदी**
अध्यक्ष श्री माथुर चतुर्वेदी सभा आगरा रजि०

***

पालागन,

मैं श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा की कार्यकारिणी द्वारा आयोजित, ऑन लाइन वैवाहिक परिचय सम्मेलन के लिये समस्त कार्यकारिणी का आभार व्यक्त करना चाहता हूँ, जिसके माध्यम से मेरी बेटी का रिश्ता दूर देश में स्थित अपने समाज के परिवार में होना संभव हो पाया। हमारा बहुत छोटा समाज हैं जहाँ हम एक दूसरे को पहचान तो जाते हैं, लेकिन दूरियां एवं मुलाकातें न होने के कारण रिश्तों के लिये आवश्यक वर्तमान की वास्तविकता से अनभिज्ञ रहते हैं। मेरा मानना हैं कि, इस प्रकार के आयोजन विश्व मे बिखरे हुए हमारे छोटे से समाज की युवा पीढ़ी को समाज के प्रति आकर्षित एवं संगठित करने में बहुत उपयोगी साबित होगें।

धन्यवाद।

– **संजय चतुर्वेदी,** अहमदाबाद

***

डॉ प्रदीप जी पालागन,

बाबु ओमकारनाथ चतुर्वेदी स्मृति धर्मशाला में आयोजित कार्यकारिणी बैठक में सम्मिलित होने का सुअवसर प्राप्त हुआ. आयोजन स्थल पर महासभा के अधिकारीयों और कानपुर के स्थानीय पदाधिकारियों के उत्साह को देख कर अत्यंत हर्ष का नुभव हुआ। आपके द्वारा दिए गए सम्मान को प्राप्त कर मुझे अत्यंत गौरव और संतोष हुआ, और यह प्रेरणा भी मिली कि अपने समाज के लिए मेरी सेवाओं को प्रेषित किया जाये और मै इसके लिए हमेशा की तरह तत्पर रहूँगा।

महासभा के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने से जो आत्मीयता प्राप्त हुई वो निश्चय ही श्लाघ्य है, और मेरी समस्त शुभकामनाएँ आपके साथ हैं। यदि भविष्य में हम किसी नेत्र सेवा सम्बंधित शिविर का आयोजन करते हैं तो मै उसमे अपपनी सेवाएं सहर्ष प्रेषित करूंगा।

– **डा. मलय चतुर्वेदी,** कानपुर

***

सम्पादक महोदय पालागन

1 अक्टूबर को चतुर्वेदी महासभा की राष्ट्रीय बैठक जो कानपुर आहूत हुई उसमे महासभा द्वारा मेरा सम्मान किए जाने पर मै आभार व्यक्त करता हू।इस आयोजन को सफल बनाने के लिए कानपुर के गौरव चुन्ना भईया एवं उनकी टीम आशुतोष, संजय,अनुराग, अनूप और सभी सदस्यो को साधुवाद। मेरी पत्नी बीना जी ने पहली बार महासभा की मीटिंग देखी और उन्हे अचॅना जी को सम्मानित करने का अवसर मिला जिससे वो अभिभूत

है।चतुर्वेदी महासभा व कानपुर सभा का आयोजन सफल रहा, सबको बहुत बहुत बधाई और धन्यवाद अपनी महासभा ऐसी ही हमेशा ऊंचाइयों को छूती रहे यही आशा के साथ....

– **अजय चतुर्वेदी कमतरी/ कानपुर**

***

गत 1 अक्टूबर '23 को महासभा के कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक कानपुर शहर में चतुर्वेदी समाज का गौरव बाबू ओंकार नाथ चतुर्वेदी स्मृति धर्मशाला के हाल में सम्पन्न हुई। कार्यकारिणी की बैठक में उपस्थित अतिथि सदस्यों का पारम्परिक रूप से भव्य स्वागत किया गया। इसके साथ ही कानपुर शहर के बान्धवों का, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान किया है, महासभा द्वारा सम्मानित किया गया।बैठक की व्यवस्था उच्चस्तरीय होने से बान्धवों में प्रसन्नता एवं उत्साह देखा गया।अन्त में महासभा द्वारा श्री विकास चतुर्वेदी चुन्ना भैय्या को जब संरक्षक मनोनीत करने की घोषणा हुई तो करतल ध्वनि से प्रागंण गुंजायमान हो गया। कानपुर शहर से महासभा के पहले संरक्षक मनोनीत हुए चुन्ना भैय्या कानपुर की विभिन्न संस्थाओं से जुड़े हैं , समाज सेवा के लिए सदा समर्पित रहते हैं। कानपुर की धर्मशाला भी आपके अथक परिश्रम एवं समर्पित सेवा भाव का ही प्रतिफल है। आपके संरक्षक मनोनीत होने पर हमारी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

– **धीरेन्द्र नाथ चतुर्वेदी,** होलीपुरा/कानपुर

***

दिनांक 1 अक्टूबर को महासभा कार्यकारिणी की बैठक का सफल आयोजन कानपुर की बाबू ओंकारनाथ चतुर्वेदी धर्मशाला में बड़े ही हर्षोउल्लास के साथ संम्पन्न हुआ। आयोजन समिति के सदस्यों ने जलपान व भोजन की व्यवस्था का बड़ा ही सुन्दर प्रबन्ध किया जिसका महासभा के कार्यकारणी सदस्यों ने विशेष भूरि भूरि प्रशंसा की। महासभा के संरक्षक श्री सतीश चतुर्वेदी जी, श्री टी एन. चतुर्वेदी जी, श्री कमलेश पांडेय जी महासभा के अध्यक्ष डॉ.प्रदीप चतुर्वेदी व मंत्री श्री मुनीन्द्र चतुर्वेदी जी की अपनी कार्यकारिणी टीम के साथ उपस्थिति ने बैठक में चार चांद लगा दिये।समाज के वरिष्ठ व आदरणीय लोगों का महासभा द्वारा सम्मानित पत्र व दुशाला उढ़ा कर सम्मान किया गया जो एक नेक कार्य था। आयोजन समिति ने बहुत ही सुन्दर तरीके से इस आयोजन को सफल बनाया जिसके लिये श्री विकास जी(चुन्ना भईया), अध्यक्ष श्री सुत्ती दादा, मंत्री श्री प्रवेश जी व उनकी टीम श्री आशुतोष जी, श्री संजय जी, श्री अनूप जी, श्री अनुराग जी, श्री विश्वास जी,अतुल जी व अन्य सहयोगी जनो को मेरी हार्दिक बधाई। श्री विकास जी को महासभा का संरक्षक बनाये जाने के लिये महासभा का आभार व श्री विकास जी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

– **सौरव चतुर्वेदी, कानपुर**

पालागन।

रसीली सोंठ

सामग्री – अदरक 200 ग्राम,, सपरेटा दही 200 ग्राम,, जीरा 2 चम्मच,,हींग 1 चम्मच,,नमक आवश्यकतानुसार,, पिसी धनिया 2 चम्मच ,, पिसी लाल मिर्च 1 चम्मच,, गुड़ या चीनी 3 चम्मच,,तेल या घी 3–4 चम्मच,,हरा धनिया 3 चम्मच.

विधि – अदरक को छील कर छोटे छोटे टुकड़ों में काट लें, टुकड़ों को धोकर मिक्सी में पीस लें। दही को मथ कर रख दें। मध्यम गैस पर कढ़ाई रख कर तेल या घी डालकर जीरा डाल दें,जब जीरा लाल होने लगे तो उसमें हींग डाल दें, फिर एक कप पानी डालकर उसमें पिसी सोंठ डालकर उबाल आने तक चला कर पकाएं,अब मथा हुआ दही डालकर 10 मिनट तक चलाएं, फिर पिसा हुआ धनिया,नमक एवं लाल मिर्च डालें, फिर चलाते हुए गुड़ या चीनी डालकर उबाल आने तक चलाते रहे हैं, अच्छी तरह खदकने के बाद उतार कर ठंडा होने दें, उसके बाद हरा धनिया डालकर सर्व करें।

– **पिंकी प्रशांत,** लखनऊ

रतालू - रसीली सब्जी

सामग्री – रतालू 500,, दही 250 ग्राम,, जीरा 1चम्मच,, हल्दी 1 चम्मच,, लौंग 7–8,, पिसी लाल मिर्च 1 चम्मच,,साबूत काली मिर्च 6–7,, पिसी धनिया 1 चम्मच,, नमक आवश्यकतानुसार,, छोटे टुकड़ों में कटी अदरक 25 ग्राम,,घी या तेल 2 चम्मच,,कटा हरा धनिया आवश्यकतानुसार।

विधि – रतालू को छोटे छोटे टुकड़ों में। काट कर उबाल लें, ठंडा होने पर उसका छिलका उतार दें। मध्यम गैस पर कढ़ाई रख कर गर्म होने पर तेल या घी में मिलाकर जीरा डाल कर गरम करें, उसमें लौंग व काली मिर्च डालकर चलाएं, सभी मसालों को चटकने के बाद एक कप पानी डालकर उबाल लें, उबलते पानी में रतालू के टुकड़ों को डालकर चलाएं, अच्छी तरह खदकने पर मथा हुआ दही डालकर चलाते हुए उबाल लें, अब हल्दी,पिसा धनिया, अदरक डालकर धीमी आंच पर लगभग 10 मिनट तक उबालें फिर नमक डालकर कुछ देर तक गर्म होने पर उतार लें, फिर कटा हरा धनिया डालकर सर्व करें। – **सुनंदा मदन,** कोलकाता

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा कार्यकारिणी बैठक 1 अक्टूबर 2023 कानपुर

अपने पूर्वजों की स्मृति तथा सम्मान को दर्शाती बाबू ओंकारनाथ चतुर्वेदी धर्मशाला, कानपुर में 1 अक्टूबर 2023 को कार्यकारिणी बैठक आहूत की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ हमारी कुल देवियों के चित्र पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इसके बाद स्व. बाबू ओंकारनाथ जी व स्व. उल्फत राय जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण महासभा के संरक्षक – श्री सतीश जी, श्री त्रिभुवन जी व श्री कमलेश पांडे जी के साथ सभापति डॉ. प्रदीप जी व मंत्री मुनींद्र जी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर आयोजन समिति द्वारा सभी कार्यकारिणी सदस्यों तथा विशेष निमंत्रण पर बुलाए गए श्री मुकेश चतुर्वेदी (अध्यक्ष,आगरा सभा), श्री अजय तिवारी (अध्यक्ष, ग्वालियर सभा), श्री स्वतंत्र प्रकाश जी (अध्यक्ष, कानपुर सभा), श्री सुमंत जी (अध्यक्ष, भोपाल सभा) को शॉल, माला, प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्रीमती आभा सतीश चतुर्वेदी व श्रीमती साधना त्रिभुवन चतुर्वेदी को भी सम्मानित किया गया। कानपुर समाज के बांधवों ने ससम्मान महासभा के संरक्षक डॉ.सतीश जी, श्री त्रिभुवन जी, श्री कमलेश पांडे जी व महासभा के सभापति डॉ. प्रदीप जी का स्वागत चुनरी का साफा बांधकर किया। जिससे मंच की शोभा दोगुनी हो गई।

इस बैठक का आयोजन श्री विकास जी,चुन्ना व उनके साथियों ने 21 दिन के समय पर में आयोजित कर एक मिसाल कायम की। इसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं।

इस अवसर पर बालिकाओं कुमारी आराध्या तथा कुमारी वान्या ने मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। जिस पर महासभा के सभापति डॉ प्रदीप चतुर्वेदी ने दोनों बालिकाओं को 1000/– ,1000/– आशीर्वाद सहित प्रदान किये। स्वागत सत्र की समाप्ति के उपरांत सभापति की अनुमति से मंत्री मुनींद्र नाथ जी द्वारा बैठक की प्रक्रिया शुरू की गई। सभी सदस्यों को पूर्व प्रसारित कार्य सूची के अनुसार श्री विनोद जी, मुंबई द्वारा सस्वर मंगलाचरण की प्रस्तुति की गई।

तदुपरांत 13 अगस्त 2023 को आगरा में आयोजित कार्यकारिणी बैठक की रिपोर्ट को मंत्री मुनींद्र जी द्वारा पढ़कर सुनाया। जिसपर सदन ने स्वीकृति प्राप्त की। सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। तत्पश्चात कार्य सूचित में वर्णित विषय के अनुरूप महासभा सदस्यता की सूची की सर्वसम्मति से पुष्टि की गई। डॉ. प्रदीप सभापति जी ने बताया कि सदस्यता सूची को वेबसाइट पर भी प्रकाशित किया गया है। जिसमें सुझाव कर प्राप्त करने की अंतिम तिथि 5 सितंबर रखी गई थी। जिसके अनुसार

प्राप्त सभी सुझाव व संशोधनों को समावेशित कर नई सदस्यता सूची में सभी संशोधन समावेशित कर लिए गए हैं। 2020 में आयोजित सभापति चुनाव के लिए तैयार सदस्यता सूची में दिवंगत बांधवों के नाम यथासंभव उपलब्ध जानकारी के अनुसार हटा दिए गए हैं। इस सदस्यता सूची के अनुसार वर्तमान में 65 कुल क्रमागत सदस्य, 2663 आजीवन सदस्य तथा 416 सत्र सदस्य हैं। सदन के पटल पर प्रस्तुत सदस्यता सूची को सदन द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृत पारित कर दिया गया। इस अवसर पर श्री देवेश चतुर्वेदी जी (लखनऊ) की कुल क्रमागत सदस्यता को स्वीकृति प्रदान की गई। तत्पश्चात कार्य सूचित में वर्णित विषय के अनुरूप महासभा सदस्यता की सूची की सर्वसम्मति से पुष्टि की गई।

डॉ. प्रदीप जी सभापति ने महासभा की सदस्यता सूची के संशोधन व नए सदस्य बनने के लिए की जागरूकता के लिए श्री शशांक जी (भोपाल), श्री आशुतोष जी (कानपुर), श्री अंशुमानजी (जयपुर), श्री दिलीप सिकंदरपुरिया जी (लखनऊ), श्री लोकेंद्र जी (गाजियाबाद), श्री लालन जी (आगरा) तथा श्री महेश जी (दिल्ली) को विशेष धन्यवाद दिया।

अन्य विषयों पर चर्चा में भाग लेते हुए श्री अविनाश जी, कानपुर ने सुझाव दिया कि उन्हें सत्र सदस्यों को चुनाव के समय मत देने का अधिकार दिया जाए, जो कम से कम 1 वर्ष पूर्व सदस्य बने हो। इस पर श्री अजय तिवारी जी (अध्यक्ष, ग्वालियर सभा) नए प्रस्ताव किया कि सभी सम्बद्ध शाखा सभाओं के अध्यक्ष या मंत्री को महासभा की कार्यकारिणी का पदेन सदस्य बनाया जाए। जिससे वह समाज की शीर्ष संस्था महासभा की प्रक्रिया में भाग ले सके। उन्होंने कहा कि एक समानांतर संस्था द्वारा इस अति अल्प जनसंख्या वाले समाज में विघटन किया जा रहा है।

ज्ञानेंद्र जी, नागपुर ने सुझाव दिया कि सभापति के चुनाव में संपूर्ण पारदर्शिता बरती जानी चाहिए। महासभा की इस भावना को समाज भी इनके सद प्रयास के रूप में स्वीकार करें।

डॉ. प्रदीप जी, सभापति ने सुझाव दिया कि वर्तमान समय में हमारे समाज में अंतिम संस्कार की प्रक्रियाओं में एकरूपता नहीं है। अतः इसके लिए आवश्यक है कि आदरणीय डॉ. सहदेव गुरु जी के नेतृत्व में एक समिति गठित कर इस संस्कार विधि में एकरूपता लाने का प्रयास किया जाए। एक सर्वमान्य एकरूप सामाजिक संस्कार की विधि बताई जाय।

इसी के साथ मुनींद्र जी ने बताया कि एक कन्या के पिता द्वारा बताया कि इस ऑनलाइन कार्यक्रम (परिचय सम्मेलन) के फल स्वरुप उनकी कन्या का विवाह समाज के ही एक यू.एस.ए. में निवासित परिवार में होने जा रहा है।

इस बैठक के मध्य चतुर्वेदी महासभा द्वारा कानपुर के वरिष्ठ समाजसेवियों, बुद्धि जीवियों व विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि प्राप्त समाज के बांधवों को सम्मानित किया गया। जिनके नाम निम्न अनुसार हैः

* श्री लक्ष्मीपति जी, (समाज सेवा)
* श्री विष्णु पांडे जी (शिक्षा)
* डॉ. मलय जी, (चिकित्सा)
* श्री अजय कुमार जी, (समाज सेवा)
* डॉ. अभिलाष जी, (चिकित्सा)
* श्रीमती सुधा जी (शिक्षा व समाज सेवा)
* श्री सौरभ जी (खेल)
* श्री अशोक जी (प्रशासन)
* श्री मोहित जी (आई ए एफ)
* श्री नीरज जी (राजनीति)
* श्री स्वतंत्र प्रकाश जी (समाज सेवा)
* श्रीमती रजत जी (शिक्षा व शोध)
* श्री विश्वतोष जी, (प्रशासन)
* श्री विकास जी चुन्ना भैया, (समाज सेवा के आधार स्तंभ सम्मान)

इस ऐतिहासिक कार्यकारिणी बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. सतीश जी ने अपने ओजस्वी वक्तव्य में महासभा के 100 वर्ष की उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए बताया कि हमारे जन्म से पूर्व इस संस्था का गठन बहुत ही पवित्र उद्देश्य के साथ समाज के उत्थान के लिए सन 1920 के समय में विपरीत परिस्थितियों के मध्य अपने त्याग व बलिदान भाव से किया था। इस संस्था का कोई विकल्प नहीं हो सकता। हमारे तपस्वी व त्यागी पूर्वजों द्वारा बनाई संस्था को सर्वोच्च व सर्वमान्य बनाए रखना हम सभी का परम कर्तव्य है। समय ने हमें अवसर दिया है कि हम महासभा के माध्यम से समाज की सेवा बड़े मनोभाव व आदर सहित निस्वार्थ भाव से करते रहें। आपने पद्मश्री वैद्य सुरेश चंद जी के अध्यक्ष पद के चुनाव व सभापति पद के आरोहण की घटनाक्रम पर प्रकाश डाला। उसके बाद से सभी प्रक्रियाएं सभापति के चुनाव, अधिवेशन आदि अपने समय अनुसार शांतिपूर्ण ढंग से हो रहे हैं। आगे भी सभी बांधवों से इसी प्रक्रिया को सतत बनाए रखने का आवाहन किया। डॉ. सतीश जी ने कानपुर में आदरणीय पृथ्वीराज जी के सभापतित्व काल में आयोजित अधिवेशन को भी याद किया।

डॉ. सतीश जी ने इस बैठक के आयोजन के लिए मुख्य रूप से श्री विकास चतुर्वेदी जी को उनके समाज के प्रति सेवाओं व पूर्वजों की स्मृति को प्रतिष्ठा दिलाने के प्रयासों के लिए महासभा का संरक्षक बनाये जाने का प्रस्ताव किया। जिसे सभापति सहित संपूर्ण कार्यकारिणी ने सर्वसम्मति से अनुमोदित कर दिया।

बैठक की कार्रवाई को आगे बढ़ते हुए कार्य सूची के अनुसार तथा महासभा के संविधान की धारा 11(3) के अनुसार चुनाव

समिति की गठन की स्वीकृति कार्यकारिणी द्वारा प्रदान की गई। जो निम्नानुसार हैं जिसमें –

1) डॉ. प्रदीप चतुर्वेदी,वर्तमान सभापति

2) श्री मुनींद्र नाथ चतुर्वेदी, वर्तमान मंत्री

3) डॉ. सतीश चंद्र चतुर्वेदी, संरक्षक

4) श्री गोपाल कृष्ण चतुर्वेदी, (मैनपुरी/ नोएडा), चुनाव संयोजक

5) श्री महेश चंद्र चतुर्वेदी, कार्यकारिणी प्रतिनिधि

श्री गोपाल कृष्ण जी (मैनपुरी/नोएडा) का परिचय देते हुए मंत्री मुनींद्र नाथ चतुर्वेदी ने बताया कि आप उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद उच्च न्यायालय में रजिस्टरार के पद पर उत्तर प्रदेश की न्यायिक सेवाओं में चयनित होकर विभिन्न स्थानों पर सम्मान पूर्वक अपनी सेवाएं दी है। इसके बाद आप अध्यक्ष रेलवे ट्रिब्यूनल बोर्ड से सेवानिवृत हुए हैं। वर्तमान में आप नोएडा में निवास कर रहे हैं।

इस चुनाव समिति की गठन के उपरांत अधिकृत किया गया है, कि सभापति चुनाव की आगे की सभी निर्वाचन प्रक्रिया उक्त समिति के अधीन श्री गोपाल कृष्ण जी के नेतृत्व में आयोजित की जाएगी। व चुनाव की उपरांत इसका सम्पूर्ण परिणाम संविधान के अंतर्गत महासभा कार्यकारिणी के समक्ष प्रस्तुत करेगी।

ज्ञानेंद्र जी, नागपुर ने सुझाव दिया कि सभापति के चुनाव में संपूर्ण पारदर्शिता बरती जानी चाहिए। महासभा की इस भावना को समाज भी इनके सद प्रयास के रूप में स्वीकार करें।

इस ऐतिहासिक कार्यकारिणी बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. सतीश जी ने अपने ओजस्वी वक्तव्य में महासभा के 100 वर्ष की उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए बताया कि हमारे जन्म से पूर्व इस संस्था का गठन बहुत ही पवित्र उद्देश्य के साथ समाज के उत्थान के लिए सन 1920 के समय में विपरीत परिस्थितियों के मध्य अपने त्याग व बलिदान भाव से किया था। इस संस्था का कोई विकल्प नहीं हो सकता। हमारे तपस्वी व त्यागी पूर्वजों द्वारा बनाई संस्था को सर्वोच्च व सर्वमान्य बनाए रखना हम सभी का परम कर्तव्य है। समय ने हमें अवसर दिया है कि हम महासभा के माध्यम से समाज की सेवा बड़े मनोभाव व आदर सहित निस्वार्थ भाव से करते रहें। आपने पद्मश्री वैद्य सुरेश चंद जी के अध्यक्ष पद के चुनाव व सभापति पद के आरोहण की घटनाक्रम पर प्रकाश डाला। उसके बाद से सभी प्रक्रियाएं सभापति के चुनाव, अधिवेशन आदि अपने समय अनुसार शांतिपूर्ण ढंग से हो रहे हैं। आगे भी सभी बांधवों से इसी प्रक्रिया को सतत बनाए रखने का आवाहन किया। डॉ. सतीश जी ने कानपुर में आदरणीय पृथ्वीराज जी के सभापतित्व काल में आयोजित अधिवेशन को भी याद किया।

डॉ. सतीश जी ने इस बैठक के आयोजन के लिए मुख्य रूप से श्री विकास चतुर्वेदी जी को उनके समाज के प्रति सेवाओं व पूर्वजों की स्मृति को प्रतिष्ठा दिलाने के प्रयासों के लिए महासभा का संरक्षक बनाये जाने का प्रस्ताव किया। जिसे सभापति सहित संपूर्ण कार्यकारिणी ने सर्वसम्मति से अनुमोदित कर दिया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभापति डॉ. प्रदीप जी ने अपने कार्यकाल के विभिन्न कार्यकलापों व नवीन तकनीक के प्रयोग पर सविस्तार चर्चा की। इस विषय में ऑनलाइन अधिवेशन काआयोजन, ऑनलाइन परिचय सम्मेलन, कार्यकारिणी बैठकें, कवि सम्मेलन, विभिन्न शहरों में रहने वाले बांधवों से सापेक्ष संवाद, लांगुरिया गायन, जन्माष्टमी, टॉक शो के अंतर्गत समाज के विभिन्न क्षेत्रों के सफल बांधवों से चर्चा, गुरुजनों का मार्गदर्शन, स्वतंत्रता दिवस पर युवाओं का गायन का कार्यक्रम। अन्नपूर्णा सहायता को 1000/– रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 2000/– प्रति माह किया गया। जिसमें अब तक लाभार्थी परिवारों की यह संख्या 22 से बढ़कर 42 परिवार हो जाना। समाज के सहयोग से यह कार्य सफलतापूर्वक विगत 3 वर्षों से सतत जारी है। कॉल सेंटर, महासभा का गेटवे, क्यू आर कोड बनाया जाना। समाज के प्रतिष्ठ बांधवों तथा महासभा के संस्थापकों, प्रेरणा स्रोत बुजुर्गों के कैलेंडर का प्रकाशन तथा वितरण किया गया। महासभा शताब्दी वर्ष पर एक पुस्तक का प्रकाशन एवं फरौली, होलीपुरा जैसे समाज के ग्रामीण अंचलों में कार्यकारिणी बैठकों का सफल आयोजन किया गया। कामधेनु गुल्लक योजना। समाज के बान्धवों की सुविधा के लिए चतुर्वेदी चंद्रिका के निरंतर प्रकाशन के साथ पीडीएफ फॉर्मेट में भी सतत प्रकाशन किया जा रहा है। इसी के साथ मुनींद्र जी ने बताया कि एक कन्या के पिता द्वारा बताया कि इस ऑनलाइन कार्यक्रम (परिचय सम्मेलन) के फल स्वरुप उनकी कन्या का विवाह समाज के ही एक यू.एस.ए. में निवासित परिवार में होने जा रहा है।

इस बैठक का आयोजन श्री विकास जी,चुन्ना व उनके साथियों ने 21 दिन के समय पर में आयोजित कर एक मिसाल कायम की। इसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं।

इस भव्य अभूतपूर्व बैठक के आयोजन के लिए बैठक के समापन पर उच्च स्तरीय व्यवस्थाओं के लिए सर्वश्री विकास जी, (चुन्ना भैया), आशुतोष जी (सह मंत्री महासभा), स्वतंत्र प्रकाश जी (अध्यक्ष, कानपुर सभा), प्रवेश जी (मंत्री,कानपुर सभा), श्रीमती नीलिमा जी, अतुल मिश्रा जी, संजय मिश्रा जी, प्रभाष जी, अनुराग जी, धर्मेन्द्र जी, विश्वास जी, शतदल जी, मनोज जी, चंद्रशेखर जी, कर्ण जी व प्रिय आकर्ष सहित समस्त बांधवों के अथक प्रयासों के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया।

इसके बाद 2 मिनट का मौन रखकर सभी दिवंगत सज्जनों को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

विवरण प्रस्तुति

– श्री मुनींद्र नाथ चतुर्वेदी, मंत्री

सहयोग के लिए आभार तथा निवेदन (दिनाँक 15.10.2023 तक)

अन्नपूर्णा सहायता हेतु प्राप्त सहयोग राशि

सजातीय बान्धवों को एक सांकेतिक सहयोग राशि रु 24000 वार्षिक (रु. 2000/ – प्रति माह के हिसाब से) श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा द्वारा समाजहित के लिए बांधवों के अमूल्य सहयोग से अन्नपूर्णा एवं छात्रवृत्ति आदि के अंतर्गत प्रदान की जा रही है। वर्तमान में 42 परिवारों को यह सहायता त्रैमासिक जनवरी, अप्रैल, जुलाई तथा अक्टूबर के प्रथम सप्ताह सीधे उनके बैंक खाते हस्तांतरित की जा रही है। आप सभी से इस पुण्य कार्य में सहयोग का सादर आग्रह है।

आपसे अनुरोध है स्वेच्छा अनुसार किसी भी राशि का सहयोग करने की कृपा करें।

निम्नांकित सम्मानित बान्धवों ने अन्नपूर्णा सहायता राशि मैं वित्तीय वर्ष 2023 – 24 में अपना अमूल्य योगदान किया है :–

1. श्री जयंत चतुर्वेदी (लखनऊ) – रु. 12,000/–
2. आनंद सिंह चतुर्वेदी परिवार , होलीपुरा की ओर से श्री भरत चतुर्वेदी (रिसरा) द्वारा – Rs .24000/–
3. श्री बी. न. चतुर्वेदी एवं श्रीमती संतोष चतुर्वेदी (नोएडा) – विवाह की 50वीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य पर – Rs .5100/–
4. श्री अविनाश जी चतुर्वेदी (होलीपुरा/कानपुर) – 12000/–
5. श्री जगदीश प्रसाद जी चतुर्वेदी (भोपाल) – Rs. 5100/–
5. श्री अनुज चतुर्वेदी (बिजकोली/दिल्ली) द्वारा पिताश्री स्व राकेश जी के जन्मदिन की स्मृति में – Rs.12000/–
7. विवाह की वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में श्री मुरलीधर चतुर्वेदी (चन्द्रपुर/मथुरा) द्वारा Rs.5151/–
8. श्री स्वयंभू चतुर्वेदी (बंगलौर) द्वारा Rs.24,000/–
9. श्री प्रभाकर चतुर्वेदी (गोविंदपुरा/जयपुर) द्वारा Rs.24,000/–
10. श्रीमती आरती एवं विंग कमांडर श्री अनिरुद्ध चतुर्वेदी (इटावा/लखनऊ) – Rs.12,000/–
11. अपने 62 वें जन्मदिन के उपलक्ष्य सुश्री ममता चतुर्वेदी (कोटा) रु. 2100/–
12. श्री पुरुषोत्तम चतुर्वेदी – (भोपाल) रु. 5000/–
13. श्री हर्ष मोहन चतुर्वेदी (आगरा) – Rs 2100/–
14. श्री अनुज चतुर्वेदी, गाज़ियाबाद –12000/–
15. श्री माथुर चतुर्वेदी सभा, आगरा (रजि.) – 11000/–
16. प्राची चतुर्वेदी पुत्री श्री भानु प्रकाश, चतुर्वेदी कोटा के जन्मदिन के अवसर पर 2100/–
17. श्री सुब्रत चतुर्वेदी (नोएडा) – रु. 25,000/–
18. डॉ. राकेश चतुर्वेदी (मथुरा) रु. 11000/–
19. स्व. विजय चतुर्वेदी,योगी जी सुपुत्र स्व. नरेशचंद्र जी (होलीपुरा/कोलकाता) की स्मृति में श्री मदन चतुर्वेदी,कोलकाता (संरक्षक महासभा) द्वारा रु 24000/–
20. डॉ प्रदीप चतुर्वेदी (दिल्ली) रु. 12,000/ –
21. श्री सावन चतुर्वेदी (आगरा) – रु. 2100/–
22. श्री भुवन चतुर्वेदी (मैनपुरी/गुड़गाँव) पिता जी की पुण्य तिथि पर 12000/–
23. श्री ज्ञानेन्द्र चतुर्वेदी (फरौली/ ग़ाज़ियाबाद) – Rs 11000/–
24. श्री ऋषभ चतुर्वेदी (कमतरी/ देहरादून) ने अपने सुपुत्र श्री शलभ जी , के एक प्रसिद्ध कंपनी (MNC) में महा प्रबंधक के पद पर पदोन्नति के उपलक्ष्य में – Rs 11,000/–
25. अपने पिता श्री दया शंकर जी (होलीपुरा/कानपुर) के जन्मदिन 17 अक्टूबर की स्मृति में श्री राजीव जी– संजीव जी एवं समस्त कक्का परिवार द्वारा – Rs 24,000/–
26. अपनी पत्नी स्व. शीला जी की स्मृति में श्री कृष्णकान्त जी (होलीपुरा/लखनऊ) द्वारा Rs.12,000/–

कुल प्राप्ति सहयोग राशि रुपये – 3,13,751/–

सहयोग के लिए सभी का आभार*

वित्तीय वर्ष 2023–24 में अन्नपूर्णा योजना के अंतर्गत प्रथम त्रैमासिक (अप्रैल से जून 2023) सहायता 25 मार्च 2023 आवेदक परिवारों को सीधे उन के bank account में हस्तांतरित की जा चुकी हैं।

समाज के लिए सहयोग देने वाले सभी को विनम्रतापूर्वक आभार *

सहयोग राशि भेजने के लिए :–

महासभा खाता विवरणः

Shri Mathur Chaturvedi Mahasabha
Saving A/C no.1006238340
ifs code– cbin0283533
Central bank of india
Branch– Anand vihar delhi

*सहायतार्थ राशि के हस्तांतरण की सूचना के साथ ई–मेल आई डी तथा दूरभाष की जानकारी देने की भी कृपा करें।

मुनींद्र नाथ चतुर्वेदी, मंत्री
श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा
Mob. 9871170559

10 अक्टूबर - जन्मदिन पर विशेष

एक संपूर्ण,समर्पित व्यक्तित्व- डॉ. सतीश चंद्र चतुर्वेदी

पद्म श्री वैद्य सुरेश चंद जी के श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा के सभापति बनने के बाद डॉ. सतीश जी द्वारा 1999 में मुंबई में एक कुशल सहयोगी बन स्थानीय अग्रजों को साथ रखकर अधिवेशन करवा कर सभापति जी के दायित्व निभाने में भरपूर सहयोग दिया। आप 1999 से महासभा के संरक्षक हैं। इस कार्य में महासभा की गतिविधियों को नवजीवन मिला। सन 2003 में नागपुर में आयोजित अविस्मरणीय अधिवेशन पूर्ण रूप से आपके द्वारा आयोजित किया गया था। उसके बाद से महासभा के अधिवेशन सतत रूप से हो रहे हैं, तथा सभापति पद के चुनाव संविधान के अंतर्गत विधिवत संपन्न हो रहे हैं।

डॉ सतीश जी ने अपना छात्र जीवन होलीपुरा के दामोदर इंटर कॉलेज से शुरू किया। बाद में आगे की शिक्षा के लिए अपने परिजनों के पास नागपुर आ गए। नागपुर में रहते हुए एक नए संगठन छात्र शक्ति का निर्माण किया। तथा उसके बैनर के अंतर्गत छात्र संगठन का चुनाव जीता। बाद में एनएसयूआई तथा यूथ कांग्रेस में नागपुर के अध्यक्ष, महाराष्ट्र के अध्यक्ष पद को सुशोभित करते हुए नागपुर से कांग्रेस की टिकट पर चुनाव जीतकर मात्र 33 वर्ष में तीन विभागों के साथ महाराष्ट्र सरकार में उप-मंत्री नियुक्त किए गए। उसके बाद चार बार लगातार नागपुर से विधायक चुने जाते रहे तथा महाराष्ट्र सरकार के मंत्री के रूप में कपड़ा, श्रम आदि मंत्रालय का उत्तरदायित्व कुशलतापूर्वक निभाया। इन्हीं दिनों अपनी शिक्षा के प्रति अभिरुचि को मूर्त रूप देने के लिए लोकमान्य तिलक जन कल्याण शिक्षा संस्थान की स्थापना की। इस संस्थान द्वारा सतीश जी तथा उनके परिवार के नेतृत्व में इंजीनियरिंग कॉलेज तथा तमाम विषयों के शिक्षण संस्थानों सहित लगभग 25 शिक्षा संस्थान कार्यरत है।

यही नहीं आपने इन शिक्षा संस्थानों में चतुर्वेदी छात्रों को विशेष रूप से ध्यान रखा है। साथ ही आपके द्वारा महासभा के माध्यम से सभापति की संतुति प्राप्त दो छात्रों को निशुल्क शिक्षा का संकल्प व आश्वासन दे रखा है।

डॉ. सतीश जी ने स्वयं भी शैक्षणिक योग्यता के नए मापदंड स्थापित किए हैं। आपने शिक्षा में डी-लिट की उपाधि भी प्राप्त की है। जिसका चयन विश्वविद्यालय के कुलपति करते हैं।

नवंबर 2022 में होलीपुरा गांव में आयोजित श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा की प्रथम कार्यकारिणी की बैठक का सतीश जी का सहयोग अनुकरणीय है। आपके मार्गदर्शनमें संपूर्ण गाँव वासियों

ने आयोजन को सफल व भव्य बना दिया। सभी का उत्साह व जोश अभूतपूर्व था।

विगत कई वर्षों से चतुर्वेदी चंद्रिका के अंतिम कवर पृष्ठ पर आपकी ओर से विज्ञापन देकर चंद्रिका के अविराम प्रकाशन में अभूतपूर्व समर्पण व योगदान मिल रहा है।

अपने समाज के प्रति समर्पण को चरितार्थ करते हुए समाज बांधवों भुवनेश जी (गोंदिया) व रोहित जी के आतिथ्य को अपने व्यस्ततम कार्यक्रम में समय निकालकर मिलने का निमंत्रण स्वीकार किया तथा इसी के साथ आगरा चतुर्वेदी सभा द्वारा आयोजित बैठक में भी भाग लिया। अपने धन्यवाद भाषण में आपने प्राथमिक शिक्षा के लिए दामोदर इंटर कॉलेज के संस्थापक श्री दामोदरदास जी को प्रेरणा स्रोत बताया।आपने स्वयं को एक अति साधारण पृष्ठभूमि का कार्यकर्ता बताया।

जीवन मे तमाम ऊंचाइयों तक पहुंचने का श्रेय महाविद्या माता तथा पूर्वजों के आशीर्वाद को बताया। उक्त कार्यक्रम की संचालन करने हेतु आगरा सभा के मंत्री राकेश पाठक ने डॉ. सतीश जी के समर्पण का एक अनूठा उदाहरण दिया जब अपनी पुत्री पल्लवी के आगरा में विवाह पर बारात का स्वागत समर्पित भाव से नंगे पैर खड़े होकर किया। डॉ. सतीश जी के समर्पण की चर्चा का समापन उनके द्वारा श्री महाविद्या देवी के मंदिर के जीर्णोद्धार में सहयोग कार्य का उल्लेख के बिना अधूरा होगा। आपके पुत्र चि. दुष्यंत वर्तमान में महाराष्ट्र में एम.एल.सी. हैं। चुनावी राजनीति से संन्यास लेने के बाद भी आज भी आपके द्वारा समाज सेवा के कार्य समर्पण भाव से करने के कारण तमाम स्थानीय नागरिक (ज्यादातर महाराष्ट्रीयन समाज के लोग) समस्या के समाधान के लिए आपके घर पर आते रहते हैं।

– **मुनींद्र नाथ चतुर्वेदी,** मंत्री

सच्चे कर्मयोगी जनप्रिय समाज सेवी: डा० प्रदीप चतुर्वेदी

- भरत चतुर्वेदी'अचल', रिषड़ा

भदावर के चतुर्वेदी बाहुल्य वाले तख्त ग्राम होलीपुरा की सुकीर्ति सर्वविदित है। इसी ग्राम के लोकप्रिय,स्पष्ट वक्ता, कर्मयोगी, समर्पित समाज सेवी एवं महासभा के सभापति अपने बहुआयामी कृतित्व के कारण सबके आत्मीय हैं।

महासभा के यशस्वी सभापति डॉ० प्रदीप चतुर्वेदी आपका जन्म स्व. कुंदन लाल जी (मंडी) के पुत्र रूप में 18 अगस्त 1958 को होलीपुरा में हुआ। प्रारंभिक शिक्षा होलीपुरा में प्राप्त कर आपने बरेली एवं आगरा से डिग्री हासिल की। बाद में उच्च शिक्षा के उद्देश्य से दो बार आप अमेरिका गए। जहाँ से रॉकफ़ेलरफाउंडेशन फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

इसके बाद आप देश के प्रतिष्ठित अस्पताल आयुर्विज्ञान संस्थान दिल्ली में रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर नियुक्त हुए, जहां से अगस्त' 2023 में प्रोफ़ेसर के पद पर सेवानिवृत्ति हुए हैं। आपका विवाह अनूपशहर निवासी स्व० सत्यदेव चतुर्वेदी की पुत्री सौ. अनुपमा जी के साथ हुआ, जो समर्पित भाव से आपका साथ निभाती हैं। आप अच्छी गायिका तथा सामाजिक रीति रिवाजों में दक्षता रखती हैं।आपका परिवार समाज सेवा के क्षेत्र में सदा अग्रणी रहा है। होलीपुरा में आपके परिवार द्वारा आज भी कई पीढ़ियों से जारी होली पर दौज की बैठक का आयोजन अनवरत होता है। विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षा प्राप्त कर समाज सेवा के क्षेत्र में आना आपकी इसी पारिवारिक पृष्ठभूमि का ही परिणाम है। महासभा में सर्वप्रथम आप सह सचिव के रूप में स्व० केदारनाथ जी की कार्यकारिणी में सम्मिलित हुए और फिर मंत्री का पद संभाला उसके बाद लगातार चार सभापतियों के कार्यकाल से मंत्री रहकर जिस जिम्मेदारी से आपने कार्य संपादित किया है, वह महासभा के इतिहास में संभवत दूसरा उदाहरण नहीं है। यह सहयोग ही है कि 14 वर्ष पूर्व जिस मैनपुरी से आपने मंत्री पद संभाला उसी मैनपुरी से मंत्री पद से मुक्त हुए। इतने लंबे कार्यकाल में आपने पत्रिका को स्वावलंबी ही नहीं बनाया, बल्कि सदस्य संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। व्यवहार कुशल, बुद्धिजीवी, कर्मयोगी एवं स्पष्ट वक्ता डॉ० प्रदीप जी महासभा के एक स्तंभ हैं।इसी के साथ आपको समाज के भी अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। आपकी समाज सेवाओं के लिए आपको समाज रत्न सम्मान, समाज गौरव सम्मान, चतुर्वेदी श्री सम्मान, राधा रमण चौबे-कोकिला देवी स्मृति समाज गौरव सम्मान, ज्वाला प्रसाद- सावित्री देवी स्मृति सम्मान आदि।* नैमिषारण्य जैसे तीर्थ स्थान पर महासभा का अधिवेशन आयोजित कराना आपकी लगन, सूझबूझ एवं कठिन परिश्रम से ही संभव हुआ। अपने समाज का कोई व्यक्ति भूखा ना सोए इसके लिए जयपुर मीटिंग में मासिक सामान या सहायता भेजने की अन्नपूर्णा योजना की परिकल्पना आपने प्रस्तुत की जो आज काफी लोकप्रिय है। आपकी इन्हीं सेवाओ के चलते महासभा में एक लंबे समय के बाद आपका निर्वाचन निर्विरोध हुआ। कोरोना के संक्रमण काल के चलते विपरीत परिस्थितियों में भी कार्य करने से आपको ना रोक सकी और ऑनलाइन अधिवेशन, शाखा सभाओं से जीवंत संपर्क, समाज की प्रतिभाओं को समाज के सम्मुख लाना, जनगणना को गति देना, गुल्लक योजना एवं महासभा के संस्थापकों का कैलेंडर आदि उल्लेखनीय कार्य अब तक हुए हैं। इसके अलावा महासभा एवं समाज की उपलब्ध पुस्तकों व पत्रिकाओं को वेबसाइट पर उपलब्ध कराने का कार्य आरंभ किया गया है, आपसे समाज को अभी काफी अपेक्षाएं हैं। मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस करता हूं कि मुझे आपके साथ काम करने का अवसर प्राप्त हुआ तथा इस दौरान जो आत्मीयता मिली है वह शब्दों में बयां नहीं की जा सकती है।कुल मिलाकर आपके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर कवि की निम्न पंक्तियां दृष्टव्य हैं –

अंधेरे को हटाने का, प्रखर संकल्प दीपक का।
धरा को जगमगाने का, मुखर संकल्प दीपक का।।
अनास्था,द्वेष,कुंठा का शिकंजा बढ़ रहा प्रतिदिन।
इन्हें जड़ से मिटाने का, जटिल संकल्प दीपक का।।

समाज आधार स्तम्भ - श्री विकास चतुर्वेदी

श्री विकास चतुर्वेदी को गत 01 अक्टूबर 2023 को कानपुर में अनुष्ठित महासभा कार्यकारिणी की बैठक में महासभा का संरक्षक मनोनीत किया गया। श्री विकास चतुर्वेदी का जन्म 05/7/1963 को सुप्रसिद्ध व्यवसायी एवं उद्योगपति स्व0 ओंकार नाथ जी एवं माता स्व0 सत्या चतुर्वेदी के पुत्र रूप में हुआ। आपने पिता की विरासत चौबे एण्ड कम्पनी, श्री डाटावेयर्स प्रा0लि0, अल्टरनेटिव फार्म्टेक प्रा0लि0 का संचालन करते हुए आगे बढ़ाया।

आप पान पराग के निदेशक मण्डल एवं उ0प्र0 मर्चेंट चैम्बर के सदस्य हैं। मृदुभाषी श्री विकास चतुर्वेदी कानपुर शहर में अपनी व्यवहार कुशलता के लिए लोकप्रिय है। जो कोई आपके पास सहायतार्थ आता है निराश होकर नहीं लौटता है। तभी तो आप सभी के चुन्ना भैय्या के रूप में जनप्रिय है। कानपुर शहर का ही नहीं चतुर्वेदी समाज का गौरवशाली केन्द्र बाबू ओंकार नाथ चतुर्वेदी स्मृति धर्मशाला, कानपुर का निर्माण आपके अथक पुरुषार्थ के बल पर सम्भव हो सका है। श्री विकास चतुर्वेदी चुन्ना भैया का मंगल परिणय महासभा के पूर्व उपसभापति स्व. प्रभात कुमार जी की पुत्री सौ. सपना जी के साथ संपन्न हुआ था। श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा की समाज हित की लोकप्रिय सामाजिक योजना अन्नपूर्णा में आपके द्वारा विगत कई वर्षों से 24000/- रुपए वार्षिक प्रदान किया जा रहे हैं। आपकी सच्ची समाज सेवा प्रेरणास्पद है।

आपकी इन्हीं सेवा के लिए विभिन्न संस्थाओं एवं राजनेताओं द्वारा सम्मानित किया गया है। जिनमें श्री मुरली मनोहर जोशी, उत्तर प्रदेश के वर्तमान उप मुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक,उ0प्र0टेविल टेनिस एसोसियेशन, मानस संगम द्वारा कानपुर गौरव सम्मान, ब्राह्मण शिरोमणि सम्मान एवं अल बरकात एडुकेशनल सोसायटी, अलीगढ़, द्वारा गेस्ट आफ आनर व श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा द्वारा समाज आधार स्तम्भ सम्मान से सम्मानित किया गया हैं। ऐसे उर्जावान समाज सेवी चुन्ना भैय्या महासभा संरक्षक के पद पर समाज को नई दिशा प्रदान करेंगे।

काल से परे महाकाल की नगरी - उज्जैन

- श्रीमती चित्रा दिलीप चतुर्वेदी, भोपाल

पुराणों में उल्लेख है कि भारत की पवित्रतम सप्त पुरियों में 'अवंतिका' अर्थात उज्जैन भी एक है। इसी आधार पर उज्जैन का धार्मिक महत्व अति विशिष्ट है। दूसरी बात है 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक महाकाल बाबा का यहां स्थित होना। यहां पर श्मशान ,उसर क्षेत्र ,पीठ और वन यह पांच संयोग एक ही स्थल पर उपलब्ध है।यह संयोग उज्जैन की महिमा को और भी अधिक गरिमामय बनाता है।मोक्षदायिनी क्षिप्रा नदी के तट पर स्थित उज्जैन, प्राचीन काल से ही धर्म दर्शन,संस्कृति, विद्या और आस्था का केंद्र रहा है। इसी आधार पर यहां कई धार्मिक स्थलों का निर्माण स्वाभाविक रूप से हुआ। हिंदू धर्म और संस्कृति के पोषक कई राजाओं धर्मगुरुओं और महंतों ने जन सहयोग से इस महातीर्थ को सुंदर और आकर्षक मंदिरों और आराधना स्थलों को श्रृंगारिक किया है। उज्जैन के प्राचीन मंदिर एवं पूजा स्थल जहां एक ओर पुरातत्व शास्त्र की अमूल्य धरोहर है। वहीं दूसरी ओर यह हमारी आस्था और विश्वास के आदर्श केंद्र भी हैं।

महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग

आकाशे तारकं लिंगम, पाताले हाटकेश्वरम।
मृत्युलोके च महाकालौः लिंगत्रय नमोस्तुते।।

अर्थात ब्रह्मांड में सर्व पूज्य माने गए तीनों लिंगों में भूलोक में स्थित भगवान महाकाल प्रधान हैं।

बारह ज्योतिर्लिंगों में उनकी गणना होती है। उज्जैन के प्रथम और शाश्वत शासक भी महाराजाधिराज श्री महाकाल ही हैं। तभी तो उज्जैन को महाकाल की नगरी कहा जाता है। दक्षिण मुखी होने से इनका तांत्रिक महत्व भी है। यह कालचक्र के प्रवर्तक भी हैं। महाकाल बाबा के दर्शन मात्र से ही प्राणी मात्र की अकाल मृत्यु से रक्षा होती है। ऐसी शास्त्रों की मान्यता है। भारत के नाभी स्थल में कर्क रेखा पर स्थित श्री महाकाल का वर्णन रामायण, महाभारत आदि पुराने और संस्कृत साहित्य के अनेक काव्य ग्रंथों में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। ऐसा कहा जाता है कि इस अतिप्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार राजा भोज के पुत्र उदयादित्य ने करवाया था। उसके बाद पुनः जीर्ण होने पर 1734 में तत्कालीन दीवान रामचंद्र राव शेणवी ने इसका पुनः जीर्णोद्धार करवाया।

मंदिर के तल मंजिल पर महाकाल का विशाल लिंग स्थित है। जिसकी जलधारी का मुख पूर्व की ओर है। साथ ही पहली मंजिल पर ओंकारेश्वर तथा दूसरी मंजिल पर नागचन्द्रेश्वर की प्रतिमाएं

स्थित है। भगवान नागचंद्रेश्वर के दर्शन वर्ष में केवल एक बार अर्थात नाग पंचमी के दिन ही होते हैं। महाकाल के दक्षिण में वृद्धकालेश्वर अनादि कल्पेश्वर तथा सप्तर्षियों के मंदिर स्थित है। इसके उत्तर में चंद्रातियेश्वर, देवी अवंतिका, बृहस्पति ईश्वर स्वप्नेश्वरी और समर्थ रामदास द्वारा स्थापित श्री हनुमान जी का मंदिर है। इसके पश्चिम में कौटि तीर्थ नामक कुंड है और साथ ही रुद्रसरोवर भी स्थित है। पूरे देश में ये एक मात्र ज्योतिर्लिंग है। जहां ताज़ी चिताभस्म से प्रातः चार बजे भस्म आरती होती है। उस समय पूरा वातावरण मनोहारी और शिवमयी हो जाता है।

श्रावणमास और महाशिवरात्रि पर यहां विशेष उत्सव होते हैं। सावन के प्रत्येक सोमवार को महाराजाधिराज महाकाल की सवारी निकाली जाती है। इस अवसर पर पूरे शहर को बन्दनवारों एवं विद्युत बल्बों की मदद सेसे दुल्हन की तरह सजाया जाता है। यह सवारी मंदिर से निकलकर क्षिप्रा तट तक जाती है। उन दिनों उज्जैन में देश विदेश से आये दर्शनार्थियों का भी डेरा रहता है।

बड़े गणपति जी का मंदिर

महाकाल मंदिर के पीछे और प्रवचन हॉल के ठीक सामने श्री गणेश जी की विशाल और भव्य मूर्ती स्थापित है। इस मंदिर का निर्माण बीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ में महर्षि सांदीपनि के वंशज और महान ज्योतिषविद स्व पंडित श्री व्यास नारायण जी ने करवाया था यह स्थान व्यास नारायण जी का उपासना स्थल भी रह चुका है। इस मंदिर में पंचमुखी हनुमान जी की एक आकर्षक मूर्ति भी स्थापित है। इसके अलावा मंदिर के भीतरी भाग में पश्चिम दिशा की ओर नवग्रह भी स्थापित हैं।

श्री हरसिद्धि देवी

उज्जैन के प्राचीन और पवित्र उपासना स्थलों में श्री हरसिद्धि देवी के मंदिर का विशेष स्थान है। स्कंद पुराण में वर्णन है कि शिव जी के कहने पर मां भगवती ने दुष्ट दानवों का वध किया था, अतः सब से ही इन देवी का नाम हरसिद्धि प्रसिद्ध हुआ। शिव पुराण के अनुसार, सती की कोहनी यहां गिरी थी। अतः, तांत्रिक ग्रंथों में इसे सिद्ध शक्तिपीठ की संज्ञा दी गई है। यह देवी ,सम्राट विक्रमादित्य की आराध्य कुलदेवी भी कहीं जाती हैं। कहते हैं सम्राट विक्रमादित्य ने यहां घोर तपस्या की थी, 11 बार अपना सिर काट कर उन्हें समर्पित किया था और 11 बार सिर उनके शरीर से जुड़ गया था। उपरोक्त तथ्यों के कारण इस मंदिर का अपना विशिष्ट महत्व है। इस मंदिर के गर्भ गृह में श्री यंत्र प्रतिष्ठित है, ऊपर श्री अन्नपूर्णा तथा उसके आसन के नीचे कालिका, महालक्ष्मी ,महासरस्वती आदि देवियों की प्रतिमाएं हैं। रूद्र सागर तालाब के निकट इस मंदिर के परकोटे में चारों ओर द्वार हैं। इस मंदिर के प्रांगण में दो विशाल दीपस्तंभ है जिनमें प्राचीन समय में नवरात्रि में दीप प्रज्वलन किया जाता था। अब यहां प्रतिदिन दीप प्रज्वलन किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि मनौती पूरी होने पर भी श्रद्धालु दीप प्रज्जवल करवाते हैं। इस मंदिर के कोने पर एक अति प्राचीन बावड़ी भी है। मंदिर के पीछे संतोषी माता अगस्त ईश्वर महादेव का मंदिर है। पुराण में उल्लेख है कि इस मंदिर के दर्शन से अपार पुण्य प्राप्त होता है।

श्री गोपाल मंदिर

इस मंदिर का निर्माण श्री दौलत राव जी सिंधिया की महारानी बायेजा बाई द्वारा लगभग ढाई सौ वर्ष पहले कराया गया था। नगर के मध्य स्थित इस मंदिर में द्वारकाधीश जी की अत्यंत मनोहारी मूर्ति लगी हुई है। मंदिर के गर्भ गृह में लगा रत्न जड़ति द्वार श्रीमंत सिंधिया ने मोहम्मद गजनी से प्राप्त किया था। इस भव्य मंदिर का शिखर सफेद संगमरमर से एवं शेष भाग सुंदर काले पत्थरों से निर्मित है। मंदिर का प्रांगण तथा परिक्रमा पद भव्य और विशाल है। जन्माष्टमी के अवसर पर यहां विशेष आयोजन किया जाता है। बैकुंठ चौदस के दिन मध्य रात्रि महाकाल की सवारी हरिहर मिलन हेतु यहां पधारती है और भस्म पूजन के समय श्री गोपाल कृष्ण की सवारी महाकालेश्वर पहुंचती है तथा उन्हें वहां तुलसी दल अर्पित किया जाता है। इस मंदिर में भजन कीर्तन प्रवचन सदैव चलते रहते हैं तथा यहां का वातावरण सदैव भक्ति में रहता है।

श्री राम जनार्दन मंदिर

इस मंदिर का निर्माण राजा जयसिंह द्वारा कराया गया है। यह मंदिर प्राचीन विष्णु सागर के तट पर स्थित है। इस मंदिर में 11वीं शताब्दी में बनी शेष सैया पर श्री विष्णु जी की तथा दसवीं शताब्दी में निर्मित गोवर्धन धारी श्री कृष्ण की प्रतिमाएं लगी हुई है। यहां पर श्री राम और जानकी जी तथा लक्ष्मण जी की प्रतिमाएं वनवासी वेष में लगी हुई हैं।

श्री चार धाम मंदिर

यह मंदिर हरसिद्धि देवी मंदिर के दक्षिण दिशा में स्थित है। स्वामी शांति स्वरूपानंद जी तथा युगपुरुष स्वामी परमानंद जी महाराज के प्रयासों से इस मंदिर की स्थापना अखंड आश्रम परिसर में हुई है। इस मंदिर में श्री द्वारका धाम एवं श्री जगन्नाथ धाम की स्थापना सन 1997 में तथा श्री रामेश्वर धाम की सन 1999 में प्राण प्रतिष्ठा हुई थी जबकि चौथे धाम श्री बद्री विशाल की प्राण प्रतिष्ठा सन 2008 में हुई। इन प्रतिमाओं की विशेष तौर पर स्वाभाविक मूल रूप प्रदान किया गया है ताकि दर्शनार्थियों को वास्तविक दर्शन का लाभ हो सके। एक ही परिसर में चारों धाम का दर्शन दुर्लभ संयोग ही होता है ,यह मंदिर कॉन्प्लेक्स अपने विशिष्ट शैली का अनूठा उदाहरण है

श्री काल भैरव मंदिर

अष्टभैरवों में श्री काल भैरव का मंदिर प्रमुख और चमत्कारी है। इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह प्रतिमा मदिरापान करती है। पुजारी जी द्वारा पात्र मूर्ति के मुख से लगाया जाता है तो वह मदिरा पात्र सबके देखते-देखते खाली हो जाता है। भैरवगढ़ के दक्षिण में तथा शिप्रा नदी के तट पर यह मंदिर स्थित है। काल भैरव के दक्षिण में परमेश्वर महादेव एवं विक्रांत भैरव के स्थान हैं। राजा भद्रसेन द्वारा इस मंदिर का निर्माण कराया गया था। इसके टूटने पर राजा जयसिंह ने इसका जीर्णोद्धार करवाया था। इस मंदिर के प्रांगण में स्थित एक संकरी गहरी गुफा में पाताल भैरवी का मंदिर है। यह स्थान तांत्रिक साधना हेतु महत्व पूर्ण है इसके सामने ओकर शमशान घाट है। कहते हैं कि इस मंदिर में दुर्गा सप्तशती का पाठ करने से आध्यात्मिक प्रगति होती है नवरात्रि पर यहां विशेष आयोजन होते हैं।

श्री चिंतामणि गणेश मंदिर

यह एक प्राचीन मंदिर है। इस मंदिर का जीर्णोद्धार महारानी अहिल्याबाई ने कराया था। यहां श्री चिंतामणि गणेश के साथ इच्छा पूर्ण और चिंता हरण गणेश जी की प्रतिमाएं भी हैं। ऐसी मान्यता है कि यहां मानी गई मनौतिया अवश्य पूर्ण होती हैं। यह मंदिर नगर से करीब 7 किलोमीटर की दूरी पर है।

श्री नवग्रह मंदिर (शनि मंदिर)

उज्जैन शहर से लगभग 6 किलोमीटर दूर ,उज्जैन इंदौर मार्ग

पर त्रिवेणी संगम तीर्थ के किनारे नवग्रह का यह प्राचीन मंदिर है। स्कंद पुराण में इसे शनि देव के महत्वपूर्ण स्थान के रूप में मान्यता दी गई है। प्रति शनिश्चरी अमावस्या को यहां पर असँख्य श्रद्धालु दर्शन हेतु आते हैं।

श्री मंगलनाथ मंदिर

श्री मंगलनाथ मंदिर अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्राचीन है। मत्स्य पुराण में मंगल ग्रह को भूमिपुत्र कहा गया है। पौराणिक मान्यता यह है की मंगल ग्रह की जन्मभूमि भी यही है। इनकी पूजा एवं आराधना का अपना महत्व है। मंगल ग्रह की शांति, शिव कृपा ,ऋण मुक्ति तथा धन प्राप्ति हेतु श्री मंगलनाथ जी की उपासना की जाती है। यहां पर भात पूजा तथा रुद्राभिषेक करने का विशेष महत्व है। मंगलवार के दिन यहां रोज के देखे कहीं ज्यादा भीड़ आती है। ज्योतिष एवं खगोल विज्ञान के से यह स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मंदिर एक ऊंचे टीले पर बना हुआ है। इसके प्रांगण में पृथ्वी देवी की अत्यंत प्राचीन प्रतिमा स्थापित है। शक्ति स्वरूपा होने के कारण उन्हें लाल सिंदूर का चोला चढ़ाया जाता है। यहां से थोड़ी ही दूर पर गंगा घाट है। यह वही स्थान है जहां कभी भगवान श्री कृष्ण ने अपने गुरु महर्षि सांदीपनि की गंगा स्नान करने की अभिलाषा को पूर्ण करने हेतु श्री गंगा जी को प्रकट किया था।

भर्तृहरि गुफा

गढ़ कालिका के दक्षिण में यह गुफा स्थित है। सम्राट विक्रमादित्य के बड़े भाई राजाभर्तृहरि की साधना स्थल होने के कारण यह स्थान प्रसिद्ध है। क्षिप्रा तट पर स्थित यह गुफा बौद्ध एवं परमार कालीन स्थापत्य कला की संरचना है। इसका प्रवेश मार्ग संकरा है और भीतरी दक्षिणी भाग में गोपीचंद जी की प्रतिमा है। राज योगी भर्तिहरि की धूनी के ऊपर की शिला पर हाथ के पंजे का निशान है। कहते हैं भर्तृहरि की तपस्या से इंद्र देव डर गए थे और उनकी तपस्या भंग करने के लिए उन्होंने ऊपर से शीला फेंकी जिसे भर्तृहरि ने अपना हाथ ऊपर करके रोक लिया था। फलस्वरूप ,उनके पंजों के निशान शिला पर अंकित हो गए थे। पहले इस गुफा के अंदर से ही चारों धाम तक जाने के रास्ते थे जो आज कल बंद है। इस गुफा की व्यवस्था नागवंशी साधुगण करते हैं।

श्री सांदीपनी आश्रम

अंक पात क्षेत्र में स्थित इस आश्रम में भगवान श्री कृष्ण सुदामा और बलराम जी ने अपने गुरु सांदीपनी के सानिध्य में गुरुकुल परंपरा अनुसार विद्या अध्ययन कर 14 विद्या तथा 64 कलाएं सीखी। उज्जैन आरंभ से ही ज्ञान विज्ञान और संस्कृति का प्रसिद्ध केंद्र रहा है। कहते हैं श्री कृष्ण जी स्लेट पर लिखे अंक धोकर मिटाते थे इसलिए इसका नाम अंक पात पडा है। श्रीमद भगवत और कई पुराणों में यहां का वर्णन है। यहां पर स्थित कुंड में भगवान श्री कृष्ण ने अपने गुरु जी को स्नान के लिए गोमती का जल उपलब्ध करवाया था, अतः सरोवर गोमती कुंड कहलाया। यहां स्थित मंदिर में बलराम कृष्ण और सुदामा जी की सुंदर मूर्तियां लगी हुई है। महर्षि सांदीपनी के वंशज आज भी उज्जैन में ही निवास करते हैं। इसी अंक पात क्षेत्र में सिंहस्थ महाकुंभ का मेला लगता है।

उज्जैन की मान्यता एक तीर्थ नगरी के रूप में है। यहां और भी धार्मिक स्थल हैं जिनका दर्शन लाभ अपनी समय सुविधा के हिसाब से आप कर सकते हैं। 'सत्यम शिवम शुभम सुंदरम' का ख्याल जब भी मन में आता है तो बरबस ही मन इस भजन को गाते हुए शिव भक्ति में डूब जाता है। इस भजन के बोल में शिवपुर सुंदर बताया गया है। महाकाल के नगर- उज्जैन की यात्रा सोलो ट्रिप या परिवार के साथ की जा सकती है। ऐसा कहते हैं कि उज्जैन जाने से कालसर्प दोष और अकाल मृत्यु से छुटकारा मिल जाता है। इस नगर में महाकुंभ मेला 'सिंहस्थ' का भी आयोजन होता है। उज्जैन में सिद्धवट को चार प्रमुख प्राचीन और पवित्र वटों में से एक माना जाता है। स्कंद पुराण के अनुसार पार्वती माता द्वारा लगाए गए इस वट की शिव के रूप में पूजा की जाती है। इसी जगह पर पिंडदान तर्पण आदि भी किया जाता है। गया के बाद यह पिंडदान का प्रमुख क्षेत्र भी है। कहते हैं 'अवंतिका' अर्थात उज्जैन का एक ही राजा है और वह है महाकाल बाबा। कोई भी राजा ,मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री आदि यहां रात में रुक नहीं सकते इन लोगों के रुकने के लिए उज्जैन से बाहर स्थान नियुक्त है। किवदंती है कि जो भी राजा यहां रात में रुकता है और यदि वह सत्यवादी नहीं है तो उसके जीवन में संकट प्रारंभ हो जाते हैं। संध्या समय राम घाट पर होने वाली आरती दर्शनीय है। इस आरती के समय यहां का वातावरण भक्ति मय हो जाता है। उज्जैन कई सिद्ध और भगवानों की तपोभूमि रहा है। यहां कई स्थान ऐसे हैं जहां ऋषि मुनियों ने भी तप किए थे। एक कथा के अनुसार उज्जैनी में अत्रि ऋषि ने 3000 साल तक तपस्या की थी। अतः यह संपूर्ण नगरी ही एक तपोभूमि मानी जाती है। भारत में उज्जैन को सर्वश्रेष्ठ तीर्थ माना जाता है। यहां इस्कॉन मंदिर, कालियादेह महल और और भी कई दर्शनीय स्थल हैं। उज्जैन पहुंचने के लिए निकटतम हवाई अड्डा इंदौर का है। यहां से बस टैक्सी आदि करके आप उज्जैन जा सकते हैं। दूसरे राज्यों से भी उज्जैन जाने के लिए बसें चलती हैं। आप अपने वाहन से भी सड़क मार्ग से उज्जैन जा सकते हैं। रेल मार्ग भी उज्जैन से जुड़ा हुआ है। अधिकांश ट्रेन भी उज्जैन स्टेशन पर रूकती हैं। यात्रियों के रुकने की सुविधा के लिए यहां होटल और धर्मशालाएं सभी का इंतजाम है।

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा

405/406, चिरंजीव टावर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019
फोन नं. 26463013, 26432388, मो. 9871170559

सभापति पद के निर्वाचन (2023-24) की अधिसूचना

दिनांक 01 अक्टूबर, 2023 को कानपुर में आयोजित श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा की कार्यकारिणी की बैठक में सर्व सम्मति से निम्नानुसार प्रस्ताव पारित कर लिया है कि "दिनांक 04.10.2020 को महासभा की आमसभा ने श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा का संविधान एवं नियमावली यथा संशोधित पारित किया है। महासभा ने उसे अपनी कार्य प्रणाली में अंगीकार कर लिया है। यह निर्णय लिया जाता है कि महासभा का आगामी सभापति पद का निर्वाचन (वर्ष 2023-24) दिनांक 04.10.2020 में अंगीकृत संविधान के प्रावधानों, नियमों के अंतर्गत सम्पन्न कराया जायेगा।"

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा की निर्वाचन समिति की बैठक 07 अक्टूबर, 2023 को महासभा कार्यालय दिल्ली में आयोजित हुई। उसमें लिए निर्णय के अनुसार मंत्री, श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा को चुनाव अधिसूचना जारी करने के निर्देश दिये गये। चुनावी कार्यक्रम निम्नानुसार है :-

निर्वाचन कार्यक्रम :-

1. सभापति पद के लिये पूर्ण रूपेण भरकर नामांकन प्रपत्र महासभा कार्यालय में जमा करने का समय दिनांक 01 दिसम्बर 2023 समय प्रातः 10 बजे से दिनांक 07 दिसम्बर 2023 समय सांय 5 बजे तक।
2. नामांकन पत्र की जांच दिनांक 09 दिसम्बर 2023 को।
3. प्रत्याशी द्वारा लिखित रूप से नाम वापसी या अन्तिम दिनांक 11 दिसम्बर 2023 से 13 दिसम्बर 2023, शाम 5:00 बजे तक।
4. यदि एक ही वैध नामांकन पत्र शेष रह जाता है तो वह प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित घोषित होगा व निर्वाचन प्रक्रिया यही समाप्त हो जावेगी।
5. एक से अधिक प्रत्याशी होने पर निम्न कार्यक्रम अनुसार निर्वाचन होगा।
6. रजिस्टर्ड डाक द्वारा सदस्यों को मत पत्रों का प्रेषण दिनांक 20 दिसम्बर 2023 से दिनांक 25 दिसम्बर 2023 तक।
7. मत पत्र पेटिका को सील किया जाएगा दिनांक 20 दिसम्बर 2023 समय सांय 5 बजे। इस प्रक्रिया के समय प्रत्याशी या उसका अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित हो सकता है।
8. भारतीय डाक द्वारा भेजे गये मत पत्रों का निर्वाचन कार्यालय में प्राप्ति का अन्तिम तिथि 24 जनवरी 2024 समय सांय 5 बजे तक। इसके बाद मत पेटिका को पूर्ण रूपेण सील कर दिया जावेगा।
9. निर्धारित दिनांक एवं समय तक केवल डाक द्वारा प्राप्त मत पत्र ही स्वीकार किये जावेंगे। व्यक्तिगत रूप से अथवा निर्धारित दिनांक एवं समय उपरान्त डाक से प्राप्त मत स्वीकार नहीं किये जावेंगे।
10. मतगणना दिनांक 27 जनवरी, 2024 समय प्रातः 11 बजे से श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा कार्यालय में कार्य समाप्ति तक।
11. निर्वाचन समिति द्वारा चुनाव परिणाम की घोषणा कार्यकारिणी की बैठक में दिनांक 28 जनवरी 2024 को प्रातः 11 बजे की जायेगी व नवनिर्वाचित सभापति को पदभार ग्रहण कराया जायेगा।

प्रमुख नियम व शर्तें :-

1. एक लिफाफे में केवल एक ही मत पत्र स्वीकार किया जावेगा।
2. प्रत्येक लिफाफा स्व व्यय से डाक द्वारा श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा कार्यालय को भेजा जायेगा एक ही लिफाफे में कई लिफाफे रखकर न भेजे जा सकेंगे।

3. प्रत्याशी प्रस्तावक एवं अनुमोदक का महासभा का सदस्य होना अनिवार्य है।

4. एक सदस्य केवल एक ही प्रत्याशी का नाम प्रस्तावित या अनुमोदित कर सकता है।

5. निर्वाचन संबंधित समस्त प्रक्रियाओं पर निर्वाचन समिति का निर्णय अन्तिम एवं सर्वमान्य होगा।

6. निर्वाचन समिति द्वारा निर्वाचन परिणाम कार्यकारिणी के सम्मुख प्रस्तुत किये जायेंगे एवं पत्रिका में प्रकाशित किये जावगे।

7. नामांकन प्रपत्र के साथ प्रत्याशी अपनी फोटो सहित एक पृष्ठ में अपना परिचय (बायोडाटा) एवं घोषणा पत्र जमा करायेंगे।

8. श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा के सभापति पद के निर्वाचन 2023-24 के लिये प्रस्तुत किये जाने वाले नामांकन पत्र के साथ प्रत्याशी, दोनों प्रस्तावक एवं दोनों अनुमोदकों को अलग-अलग निर्धारित प्रारूप पर नोटरी द्वारा सत्यापित शपथ पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। बिना शपथ पत्र संलग्न किये नामांकन पत्र अपूर्ण माना जावेगा और उसे स्वीकार नहीं किया जावेगा।

9. यदि सभापति पद का प्रत्याशी एक से अधिक नामांकन पत्र प्रस्तुत करता है तो उसके द्वारा एक बार नामांकन पत्र के साथ प्रस्तुत शपथ-पत्र ही पर्याप्त होगा एवं प्रत्येक प्रस्तावक एवं अनुमोदक को अपना शपथ-पत्र देना अनिवार्य होगा।

10. वर्ष 2023-24 का सभापति का निर्वाचन महासभा की कार्यकारिणी द्वारा लिये गये निर्णय के अनुरूप 22.04.2013 के अधिवेशन में सर्वसम्मति से पारित एवं 04.10.2020 में यथा संशोधित संविधान एवं नियमावली के अनुसार सम्पन्न कराये जावेंगे।

11. काँट-छाँट या ओव्हर राईटिंग होने पर प्रपत्र स्वीकार नहीं किया जायेगा। सभापति पद के प्रत्याशी को महासभा के सभापति पद की आवश्यक अर्हताओं को आवश्यक रूप से पूर्ण करना होगा।

12. चुनाव सम्बन्धी कोई भी वाद-परिवाद लिखित रूप से निर्वाचन समिति को देना अनिवार्य होगा और निर्वाचन प्रक्रिया पर निर्वाचन समिति का निर्णय अंतिम एवं सर्व पक्षों की मान्य एवं बाध्यकारी होगा।

13. निर्वाचन समिति को किसी भी अपरिहार्य स्थिति में निर्वाचन कार्यक्रम में संशोधन, स्थगन एवं निरस्तीकरण का पूर्ण अधिकार होगा।

14. उपरोक्त नियम व शर्तें निर्वाचन संबंधी प्रक्रिया की अन्य नियमों एवं शर्तों का अंग होगी।

15. चुनाव समिति का सदस्य किन्ही अपरिहार्य कारणों से अनुपस्थित होता है तो कार्यवाही बहुमत से सम्पन्न होगी।

16. चुनाव समिति की बैठक महासभा कार्यालय/संयोजक निवास/अध्यक्ष निवास/सचिव निवास/सभापति निवास पर होगी।

17. चुनाव संबंधी प्रक्रिया महासभा कार्यालय पर आयोजित दी जाएगी।

डॉ. जी.के. चतुर्वेदी
संयोजक, चुनाव समिति
श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा
मो. 08527168878

मुनीन्द्र नाथ चतुर्वेदी
सचिव, चुनाव समिति
श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा
मो. 09871170559
Email ID : munindra.chaturvedi2@gmail.com

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा

405/406, चिरंजीव टावर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019
फोन नं. 26463013, 26432388, मो. 9871170559

सभापति पद के निर्वाचन (2023-24) नामांकन प्रपत्र

हम अधोहस्ताक्षरित, श्री/श्रीमती ..... पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री ....सदस्यता क्रमांक .....निवासी ..... प्रवासी .... के आगामी सभापति पद के चुनाव हेतु नाम प्रस्ताविक एवं अनुमोदित करते है।

हम स्वीकार करते है कि निर्वाचन समिति का निर्णय हमें पूर्णतः मान्य होगा। हम 22.04.2013 में पारित एवं 04.10.2020 के अधिवेशन में यथा संशोधित संविधान का पूर्ण रूपेण पालन करेंगे। हम निर्वाचन प्रक्रिया की सभी नियमों एवं शर्तो का पालन करेंगे।

	प्रस्तावक	**अनुमोदक**
1.	नाम.....	नाम.....
	पता.....	पता.....
	सदस्यता क्र.....	सदस्यता क्र.....
	फोन नं.	फोन नं. .....
	हस्ताक्षर	हस्ताक्षर .....
2.	नाम.....	नाम.....
	पता.....	पता.....
	सदस्यता क्र.....	सदस्यता क्र.....
	फोन नं.	फोन नं. .....
	हस्ताक्षर	हस्ताक्षर .....

प्रत्याशी की सहमति : नाम..... पता .....
सदस्यता क्रमांक ..... फोन नं. ..... हस्ताक्षर.....
संलग्नकः 1. शपथ-पत्र (अ) प्रत्याशी (ब) अनुमोदक प्रथम (स) अनुमोदक द्वितीय (द) प्रस्तावक प्रथम (य) प्रस्तावक द्वितीय
2. दो फोटो सहित बायोडाटा।
निर्वाचन समिति के प्रयोग हेतु प्रपत्र को ..... (स्वीकृत/अस्वीकृत) पाया गया।

हस्ताक्षर 1 2 3
दिनांक 4 5

आवश्यक निर्देश :-

(1) लेखन साफ व स्पष्ट होना चाहिए।
(2) काट/छांट या ओवर राइटिंग होने पर प्रपत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।
(3) प्रपत्र निर्धारित समय 01 दिसम्बर 2023 प्रातः 10 बजे से 07 दिसम्बर 2023 सांय 5 बजे तक महासभा के कार्यालय में स्वीकार किये जायेंगे।
(4) प्रत्याशी एक स्व-सत्यापित फोटो निर्धारित जगह पर चिपकायें।
(5) एक सदस्य केवल एक ही प्रत्याशी का नाम प्रस्तावित या अनुमोदित कर सकता हैं।
(6) प्रत्याशी 1 पेज का अपना परिचय (बायोडाटा) दो फोटो के साथ में भेजे।
(7) प्रत्याशी, उसके दोनों प्रस्तावकों व दोनों अनुमोदकों को निर्धारित प्रारूप पर नोटरी द्वारा सत्यापित शपथ पत्र नामांकन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
(8) अधिसूचना के साथ पठित नियम व शर्तें निर्वाचन प्रक्रिया का अंग होगी।
(9) समापति पद के प्रत्याशी महासभा संविधान की सभापति पद की आवश्यक अर्हताओं के अनुसार होंगे तथा किसी भी समानांतर संस्था का सदस्य नहीं होना चाहिए।

डॉ. जी.के. चतुर्वेदी
संयोजक, चुनाव समिति
श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा
मो. 08527168878

मुनीन्द्र नाथ चतुर्वेदी
सचिव, चुनाव समिति
श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा
मो. 09871170559
Email ID : munindra.chaturvedi2@gmail.com

शपथ-पत्र

मैं ..... पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री ..... उम्र ..... वर्ष निवासी .....महासभा सदस्यता क्र..... वर्तमान पता ..... जो श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा के निर्वाचन ..... 2023-24 में सभापति पद का..... ..... प्रत्याशी हूँ अथवा प्रत्याशी श्री ..... का प्रस्तावक प्रथम, द्वितीय अथवा अनुमोदक प्रथम द्वितीय हूँ।

एतद द्वारा शपथ पूर्वक घोषणा करता/करती हूँ कि :-

1. नामांकन पत्र में मेरे द्वारा दी गयी समस्त सूचना मेरे निजी ज्ञान व जानकारी में सत्य व सही है एवं इसमें कुछ भी छुपाया नहीं गया है।
2. श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा का संविधान व नियमावली दिनांक 22.04.2013 के अधिवेशन में सर्वसम्मति से पारित एवं 04.10.2020 के अधिवेशन में यथा संशोधित संविधान मुझे स्वीकार एवं मान्य है तथा उसके प्रावधानों, नियमों एवं शर्तो से मैं अपने को बंधित करता/करती हूँ।
3. श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा के सभापति पद के निर्वाचन 2023-24 को सम्पन्न कराने हेतु निर्वाचन समिति द्वारा अपनायी गयी प्रक्रिया को स्वीकार करते हुये अपनी पूर्ण सहमति प्रदान करता/करती हूँ।
4. मैंने महासभा एवं उसके सदस्यों के प्रति सभी भी कोई ऐसा कार्य नहीं किया है जिससे महासभा एवं उसके सदस्यों की प्रतिष्ठा एवं सम्मान को आघात अथवा क्षति पहुँचे।
5. मैं वचन देता हूँ कि भविष्य में भी ऐसा कोई कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे महासभा एवं उसके सदस्यों की प्रतिष्ठा, सम्मान एवं प्रगति को आघात अथवा क्षति पहुंचे तथा यह भी वचन देता/देती हूँ कि समानांतर संस्था का कार्यकर्ता नहीं हूँ।

नामः हस्ताक्षर

प्रत्याशी/ प्रस्तावक/ अनुमोदक

प्रथम प्रथम

द्वितीय द्वितीय

नोट : जो लागू न हो उसे कृपया लकीर खींच कर काट दें।

..... :

..... :

..... :

दीवाली पर्व - मात्र परिपाटी न निभायें

- भरत चतुर्वेदी 'अचल' (होलीपुरा/रिसड़ा)

हो गया शेष पावस प्रमोद,घन शून्य गगन की नील गोद।
इन्दीवर शत शत नयन खोल,देखते विपुल वैभव विनोद।।

पावस ऋतु बीत चली है एवं शरद ऋतु का स्वागत है कवि डा० अरुण प्रकाश अवस्थी शरद के आगमन का अभिनन्दन कर रहे हैं। शरद के आगमन के साथ दीपावली का पर्व सन्निकट है लोग घर के कोने कोने की साफ- सफाई, रंगाई- पुताई एवं खरीदारी में महीने भर पहले व्यस्त हो जाते हैं। हों भी क्यों न इतना बड़ा पर्व लगातार पांच दिवसीय त्यौहार की तैयारी पूर्व में न की जाय तो वह उल्लास व उमंग में कमी रह जायेगी। यह हमारे सनातन धर्म की सबसे बड़ी विशेषता है कि हमारे पर्व अधिकांश संधि काल में ही पड़ते हैं पूर्णिमा, अमावस्या अष्टमी तथा संक्रांति आदि हमारे पर्व ही हैं। यह संधिकाल जहां पर्व की दृष्टि से हमारे जीवन के लिए विशेष है वहीं शारीरिक दृष्टि से इस समय हमें सावधानी रखने की आवश्यकता भी है। क्योंकि सन्धिकाल में जहां पर्व होते हैं वहीं दो सन्धियों के प्रभाव का संक्रमण रहता है।फलतः शास्त्रों ने हमारे इन पर्वों पर पालन हेतु नियम निर्दिष्ट किये हैं यह करना चाहिए और यह नहीं करना चाहिए। रामनवमी, जन्माष्टमी, दशहरा, दीपावली, शिवरात्रि और होली पर्वों पर धर्मशास्त्रों ने विधि -निषेध की रूपरेखा प्रस्तुत की है। हमारे इन पर्वों में दीपावली का धार्मिक और सामाजिक रूप से विशेष महत्व है।वर्षा ऋतु में आयी घरों में नमी को रंग- रोगन करा जहां दूर किया जाता है वहीं कोने कोने को साफ कर आकर्षण में वृध्दि करते हैं।

दीपोत्सव का यह पंच दिवसीय पर्व धनतेरस, नरकचतुर्दशी, दीपावली, अन्नकूट एवं यमद्वितीया अनुष्ठित करने का आनन्द अप्रतिम है। संक्षेप में कहा जाय तो कार्तिक मास के कृष्णपक्ष की त्रयोदसी तिथि को दीपोत्सव का प्रथम पर्व धनतेरस कहलाता है। इस दिन भगवान धन्वंतरि का जन्मदिन है समुद्र मंथन के समय भगवान धन्वंतरि संसार के समस्त रोगों की औषधियों को कलश में लेकर प्रकट हुए थे।यह दिन यमराज से भी सम्बन्ध रखने वाला है तभी तो सांयकाल घर के दरवाजे पर अन्न से भरे पात्र के ऊपर दीप रखकर दक्षिण की ओर मुख करके दीपदान करते हैं।अपने यहां इस दिन अन्न के स्थान पर आटे का दीपक रखने की परंपरा है। इसी दिन धातु का वर्तन बाजार से खरीद कर लाया जाता है।

कार्तिक मास के कृष्णपक्ष की चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी,छोटी दीपावली एवं रूप चतुर्दशी नाम से जाना जाता है।मान्यता है कि त्रयोदसी, चतुर्दशी एवं अमावस्या इन तीनों दिन यमराज को जो व्यक्ति दीपदान करता है वह यम यातना से मुक्त हो जाता है तथा तीनों दिन दीपावली मनाने पर लक्ष्मी जी उसका घर कभी नहीं छोड़ती हैं।आज के दिन रसोईघर, मन्दिर, स्नानघर, गली एवं गोशाला आदि स्थानों पर दीपक जलाना चाहिए।

कार्तिक मास की अमावस्या को दीवाली का पर्व पूर्ण उत्साह के साथ मनाते हैं।घर की साफ- सफाई तो पहले से हो चुकी होती है आजके दिन फूल, झालर एवं अल्पना आदि से लक्ष्मी जी के स्वागतार्थ घर की साज -सज्जा में दिनभर होती है।आज के दिन भगवती लक्ष्मी एवं भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करने का विधान है। ब्रह्मपुराण के अनुसार दीपावली की अर्धरात्रि के समय धन सम्पत्ति की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी जी भक्तों के घरों में विचरण करती हैं। सांयकाल में विधि विधान से गणेश -लक्ष्मी जी की नव मूर्तियों का पूजन-अर्चन कर ग्यारह, इक्कीस या अधिक दीप जलाकर घर के कोने-कोने में रखकर अन्धकार को भगाने का प्रयास किया जाता है। कवि अरुण प्रकाश अवस्थी दिवाली पर दीप जलाने का संदेश अपने अंदाज में देते हैं कि-

जिन्होंने स्नेह शोणित से अंधेरे को मिटाया है,
जला कर प्राण की बाती जहां को पथ दिखाया है ।
कहीं कोई गली, घाटी न पगडंडी अंधेरी हो ,
सभी को ज्योति देने हित स्वयं का घर जलाया है ।।

उन्हीं के नाम पर यदि एक भी दीपक जलाते हैं, उन्हीं का नाम लेकर हम स्वयं बन दीप जाते हैं ।

तभी सच्ची दीवाली है, यही सच्ची दीवाली है ,
नहीं तो मात्र परिपाटी, दीवाली की निभाते हैं ।।

दीपावली के दूसरे दिन कार्तिक मास की प्रतिपदा को गोवर्धन की पूजा-अर्चना कर अन्नकूट का भोग लगाया जाता है जिससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं।अपने समाज में आज गड्डु की सब्जी,खीर व पूड़ी आदि का प्रसाद की परम्परा है।

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को यम द्वितीया या भैया दूज कहा जाता है इस दिन बहनें भाई को विभिन्न प्रकार के व्यंजन परोसकर माथे पर तिलक लगाकर भाई की आयुवृद्धि की कामना करती हैं। भाई बहन को सामर्थ अनुसार वस्त्र,आभूषण एवं दृव्य देकर बहन का शुभाशीष प्राप्त करता है। इसी दिन यमुनाजी ने अपने भाई यम जी को व्यंजन परोसकर अभिनन्दन किया था इसलिए इसे यमद्वितीया भी कहा गया है।कुल मिलाकर यह हमारे पर्व ही तो हैं जो हमारे जीवन में उल्लास, उमंग व भाई चारा का संचार कर जाते हैं और दे जाते हैं सन्मार्ग पर चलने का संदेश।

दीपावली की शुभकामनाएं

सभापति : डॉ. प्रदीप चतुर्वेदी (दिल्ली)

उप सभापति : कैलाश चतुर्वेदी (कासगंज)

मनोज चतुर्वेदी (बैंगलोर) , विनोद चतुर्वेदी (मुंबई)

सचिव : मुनीन्द्र नाथ चतुर्वेदी (नोएडा)

सह सचिव : भरत चतुर्वेदी (रिषड़ा) , आशुतोष चतुर्वेदी (कानपुर) ,

ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी (गाजियाबाद) , अंशुमान चतुर्वेदी (जयपुर)

कोषाध्यक्ष : महेश चंद्र चतुर्वेदी (दिल्ली)

संपादक, चतुर्वेदी चंद्रिका : शशांक चतुर्वेदी

एवं समस्त कार्यकारिणी, श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा

तीसरी बकरी !!

- मिथलेश चतुर्वेदी (करेंटी/ लखनऊ)

रोहित और मोहित बड़े शरारती बच्चे थे, दोनों पाँचवी कक्षा के छात्र थे और एक साथ ही स्कूल आया-जाया करते थे।

एक दिन जब स्कूल की छुट्टी हो गयी तब मोहित ने रोहित से कहा, दोस्त, रोज रोज स्कूल आना बड़ी बोरियत है। रोहित ने कहा, स्कूल आना तो मजबूरी है। इस पर मोहित ने कहा, मेरे दिमाग में एक आईडिया है?

बताओ-बताओ क्या आईडिया है?, रोहित ने एक्साईटेड होते हुए पूछा।

मोहित- वो देखो, सामने तीन बकरियाँ चर रही हैं।

रोहित- तो! इनसे हमे क्या लेना-देना है?

मोहित- हम आज सबसे अंत में स्कूल से निकलेंगे और जाने से पहले इन बकरियों को पकड़ कर स्कूल में छोड़ देंगे, कल जब स्कूल खुलेगा तब सभी इन्हें खोजने में अपना समय बर्वाद करेगे और हमें पढाई नहीं करनी पड़ेगी

रोहित- पर इतनी बड़ी बकरियां खोजना कोई कठिन काम थोड़े ही है, कुछ ही समय में ये मिल जायेंगी और फिर सबकुछ नार्मल हो जाएगा.

मोहित- हाहाहायही तो बात है, वे बकरियां आसानी से नहीं ढूंढ पायेंगे, बस तुम देखते जाओ मैं क्या करता हूँ!

इसके बाद दोनों दोस्त छुट्टी के बाद भी पढ़ाई के

बहाने अपने क्लास में बैठे रहे और जब सभी लोग चले गए तो ये तीनो बकरियों को पकड़ कर क्लास के अन्दर ले आये।

अन्दर लाकर दोनों दोस्तों ने बकरियों की पीठ पर काले रंग का गोला बना दिया। इसके बाद मोहित बोला, अब मैं इन बकरियों पे नंबर डाल देता हूँ।, और उसने सफेद रंग से नंबर लिखने शुरू किये-

पहली बकरी पे नंबर 1

दूसरी पे नंबर 2

और तीसरी पे नंबर 4

ये क्या? तुमने तीसरी बकरी पे नंबर 4 क्यों डाल दिया?, रोहित ने आश्चर्य से पूछा।

मोहित हंसते हुए बोला, दोस्त यही तो मेरा आईडिया है, अब कल देखना सभी तीसरी नंबर की बकरी ढूँढने में पूरा दिन निकाल देंगे और वो कभी मिलेगी ही नहीं

अगले दिन दोनों दोस्त समय से कुछ पहले ही स्कूल पहुँच गए।

थोड़ी ही देर में स्कूल के अन्दर बकरियों के होने का शोर मच गया।

हर कोई चिल्ला रहा था, चार बकरियां हैं, पहले, दुसरे और चौथे नंबर की बकरियां तो आसानी से मिल गयींबस तीसरे नंबर वाली को ढूँढना बाकी है।

स्कूल का सारा स्टाफ तीसरे नंबर की बकरी ढूढने में लगा गया एक-एक क्लास में टीचर गए अच्छे से तालाशी ली। कुछ खोजू वीर स्कूल की छतों पर भी बकरी ढूंढते देखे गए कई सीनियर बच्चों को भी इस काम में लगा दिया गया।

तीसरी बकरी ढूँढने का बहुत प्रयास किया गया.पर बकरी तब तो मिलती जब वो होती बकरी तो थी ही नहीं!

आज सभी परेशान थे पर रोहित और मोहित इतने खुश पहले कभी नहीं हुए थे। आज उन्होंने अपनी चालाकी से एक बकरी अदृश्य कर दी थी।

इस कहानी को पढ़कर चेहरे पे हलकी सी मुस्कान आना स्वाभाविक है।

पर इस मुस्कान के साथ-साथ हमें इसमें छिपे सन्देश को भी ज़रूर समझना चाहिए। तीसरी बकरी, दरअसल वो चीजें हैं जिन्हें खोजने के लिए हम बेचैन हैं पर वो हमें कभी मिलती ही नहीं.क्योंकि वे वास्तव में होती ही नहीं!

हम ऐसी ज़िन्दगी चाहते हैं जो पूर्ण हो, जिसमे कोई समस्या ही ना हो. जो कि कभी होता ही नहीं है

हम ऐसा जीवन साथी चाहते हैं जो हमें पूरी तरह समझे जिसके साथ कभी हमारी अनबन ना हो.. जो कि कभी होता ही नहीं है

हम ऐसी नौकरी या व्यवसाय चाहते हैं, जिसमे हमेशा सबकुछ एकदम आसानी से चलता रहे ... जो कि कभी होता ही नहीं है

क्या ज़रूरी है कि हर वक़्त किसी चीज के लिए परेशान रहा जाए? ये भी तो हो सकता है कि हमारी जिंदगी में जो कुछ भी है वही हमारी जिंदगी की पहेली को सुलझाने करने के लिए पर्याप्त हो.ये भी तो हो सकता है कि जिस तीसरी चीज की हम तलाश कर रहे हैं वो हकीकत में हो ही ना.और हम पहले से ही पूर्ण हों!

कर्मयोद्धा हमारे डैडी भुवनेश चतुर्वेदी

- अनुपमा चतुर्वेदी एवं समस्त परिवार

किसी व्यक्ति के जीवन में भारतीय ज्योतिष की भाषा में पिता सूर्य होता है और माता चन्द्रमा।

पिता जीवनदायी, प्राण स्पन्दन और प्रकाश से भर देने वाला होता है और माँ शीतल, अमृत दायी और माधुर्य मयी गोद में दुलराने वाली। मेरे ये सूरज और चन्दा मात्र सवा साल के अन्तराल में आकाश के सूरज और चन्दा से एकाकार हो कर वहीं से पूरे परिवार को पोषित कर रहे हैं। समाज में भुवन वकील के नाम से प्रसिद्ध हमारे डैडी का पूरा नाम श्री भुवनेश्वर प्रसाद था। जिन्हें आदरणीय खजांची बाबा ने हमेशा भुवनेश्वर कालहु कर काला कह कर सम्बोधित किया।

हमारे तीनों बाबाओं के मध्य डैडी ने प्रथम पुत्र के रूप में जन्म लेकर पूरे परिवार का अत्याधिक दुलार प्राप्त किया। आगरा कॉलेज से स्नातक तथा LL.B. करके मात्र साढ़े बीस वर्ष की उम्र में वकालत शुरु कीं।

उसी वर्ष 1968 में मथुरा के प्रसिद्ध खजांची परिवार की बेटी श्रीमती सुधा से परिणय सूत्र में बंधे। वकालत में डैडी ने नये आयामों को छुआ। दो बार जिला शासकीय अधिवक्ता (सरकारी वकील) रहकर केवल परिवार अपितु सम्पूर्ण चतुर्वेदी समाज को गौरान्वित किया। डैडी अपनी सन्तान के लिये ही नहीं, वे आस पास सम्पर्क में आने वाले सभी के लिये मार्गदर्शक, सहयोगी के रूप में तत्पर रहते थे। युवावस्था से ही आस पास तथा अन्य मोहल्लों के बुजुर्गों से कुशल क्षेम पूछना और चिंता मत करना हम हैं, यह उनका स्वभाव था। हमारे चतुर्वेदी वृहत परिवार के लिये डैडी किसी के अनुज, किसी के दददा, किसी के देवर और बहुतों के चाचा एवं मामा थे। हर रिश्ते को बहुत ही ईमानदारी से निभाया, जो कि महती अनुकरणीय है। गौ सेवा एवं भगवान शिव की भक्ति में डैडी की अगाध श्रद्धा थी। डैडी का मेरे सुखद जीवन में शिक्षा दीक्षा, संस्कार हो या अनुशास की कड़वी खुराक या फिर उच्च शिक्षित जीवन साथी का चुनाव सभी में उनकी साधना के सुफल मुझे प्राप्त हुये।

अपने वकालत के 54 वर्ष के जीवन में डैडी ने अनेकों वरिष्ठ अधिवक्ताओं का पुत्रवत व भ्रातवत स्नेह प्राप्त हुया तथा अनुजों से सम्मान। डैडी ऐसे चुनिंदा चतुर्वेदी में से हैं जिनका चित्र बार-कक्ष में श्रद्धांजलि सभा आयोजित करके लगाया गया। यह सभी का उनके प्रति सम्मान ही है।

बचपन से ही हमने देखा हमारे चबूतरे, बैठक व बाद में डैडी के ऑफिस में 8-10 चौबे लोग शाम को बैठ कर सम सामयिक मुद्दों पर चर्चा करते थे। समयानुसार लोग बदलते रहे। पर डैडी के न रहने पर यह बैठक हमेशा के लिये थम गयी है।

अपनी वकालत के प्रति गहरी निष्ठा एवं तन्मयता कि विधि ने भी अपना आपकी अनंत यात्रा पर जाने का स्थान मैनपुरी न्यायालय ही चुना।

द्वारिकाधीश महाराज से प्रार्थना है कि मम्मी डैडी के आशीर्वाद पूरे परिवार पर फलीभूत हों जिससे हम सब पूर्ण निष्ठा से अपने कार्य क्षेत्र में नयी नयी सफलताओं को प्राप्त करें। प्यारी मम्मी के हाल बाद ही बचपन से ही हमने देखा हमारे चबूतरे, बैठक व वाद में डैडी के ऑफिस में 8-10 चौबे भाई शाम को बैठ कर सम सामयिक मुद्दों पर चर्चा करते थे। समयानुसार लोग बदलते रहे पर डैडी के न रहने पर यह बैठक हमेशा के लिये थम गयी है। अपनी वकालता के प्रति गहरी निष्ठा एवं तन्मयता थी कि विधि ने भी आपकी अनन्त यात्रा पर जाने का स्थान मैनपुरी न्यायालय ही चुना। प्यारी मम्मी के हाल बाद ही डैडी का अचानक जाना हम तीनों सहोदर तथा संपूर्ण परिवार जनों के लिए अकेलेपन का एहसास में डूबने वाला है। द्वारकाधीश महाराज से प्रार्थना है की मम्मी डैडी के आशीर्वाद पूरे परिवार पर फलीभूत हो। जिससे हम सब पूर्ण निष्ठा से अपने कार्य क्षेत्र में नई-नई सफलताओं को प्राप्त करें। (र.क्र - 2023)

अविरल शोकः चिरंजीवी आत्मा के स्मृतिचिह्न

(श्रद्धासुमन; रिंगी चतुर्वेदी)

प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कुछ ऐसे लोग होते हैं जिनके जाने से ऐसा प्रतीत होता है कि हमारी सारी खुशियां ही चली गयी हों। ऐसी ही शख़्स मेरी लिए बुआ, जो थी तो मम्मी की बुआ लेकिन मैंने भी उन्हें शुरू दिन से बुआ ही पुकारा। मेरे अभी तक के १४ साल के जीवन में बुआ हर पहलू में मौजूद थी। सिर्फ़ मौजूद ही नहीं, बल्कि खुशियाँ, साहस और सहायता देती हुईं। 3 अगस्त का वह मनहूस सवेरा। बुआ की तबियत बिगड़ी और उन्हें अस्पताल ले गये। एम्बुलेंस में उन्होंने मुँह मोड़ एक बार मम्मी को देखा, उनका हाथ कसके थामा फिर निद्रा में चली गयीं। अस्पताल में मम्मी से बात होती रही, फिर उनकी सिसकती हिचकियों से अंदाज़ा हो गया बुआ नहीं रहीं। अस्पताल पहुँच, में बुआ का हाथ थामे खड़ा रहा। ऐसा लग रहा था कि वह अभी उठ जायेंगी। परंतु अब सारी उम्मीद व्यर्थ थी।

बुआ मेरी लिए बहुत प्रिय एवं आदरणीय थीं। उनके जैसा प्यार तो कोई कभी भी मुझे दे ही नहीं सकता। कैसे प्यार से मुझे 'लाड़ला कन्हैया' बुलाया करती थीं। सही मायनों में एक "फाइन लेडी" थीं। शृंगार, सजावट, खानपान, बाग़वानी, सिलाई-कड़ाई, गायकी, चित्रकारी और ख़ासकर के प्रबंध आदि में तो बुआ बहुत माहिर थीं। कोई भी परेशानी हो तो उसका निवारण बुआ के पास तो अवश्य ही होता था। कितना सोचती थी वो सबके बारे में। उन्होंने अपना जीवन बड़े शौक़ से बिताया, कभी मन न मारके रहना सिखाया। जब भी मैं अपनी किसी परीक्षा या प्रतियोगिता से पहले बुआ के पैर छूने जाता तो वह बहुत ज़ोर से पीठ थपथपा के बहुत अच्छा आशीर्वाद देतीं। उससे मुझे बहुत साहस मिलता था। वह एक उम्र की थी परंतु उनके विचार पुराने ज़माने वाले बिल्कुल नहीं थे।

वह हमेशा आगे का सोचती थीं।जब भी मैं उनके साथ बैठता तो वह मुझे इस नये ज़माने में सही मायनों से जीवन जीने की सीख देती थीं। उन्हें हर विषय की जानकारी होती थी। बड़े गर्व एवं हक़ से मुझे मेरा लक्ष्य दिखाया करती थीं। जब भी मैं बुआ को अपनी लिखी कविता सुनाता था या कोई रचना दिखाता था तो उनकी आँखों में आँसू आ जाते थे और वह दिल से तारीफ़ करतीं थीं। जब भी वह मेरा रिपोर्ट कार्ड या कोई विजय पत्र देखतीं तो बहुत ख़ुशी से कहतीं "भई वाह! गज़ब!" हमारी ख़ुशी को वह अपनी ख़ुशी मानती थीं। बुआ एक बड़ी साहसी एवं गौरव शील महिला थीं। सदैव सही को सही तथा ग़लत को ग़लत कहना अपना फ़र्ज़ समझती थीं। बुआ सदैव लोगों की सहायता करना अपना कर्तव्य समझती थीं। उन्होंने अपने जीवन में कई मित्र एवं परिजन बनाए। उनकी मृत क्रियाओं में जब क़रीब चार सौ लोग से अधिक शामिल हुए तब तो मैं हैरान ही रह गया। इससे प्रतीत होता है कि बुआ के जीवन का प्रभाव कितने लोगों पर पड़ा। हमें उनकी अनमोल सलाह का महत्व पता था। बुआ हमेशा कहती थीं कि कभी ज़्यादा सोच विचार मत करा करो, जो मन में आए वह फ़ैसला एक दम ले लिया करो। यह भी हमेशा कहती थीं कि वर्तमान में जिया करो, भविष्य के भय में क्या रखा है। समय निकल जाएगा, इच्छाएँ अधूरी रह जायेंगी। हर पल को अहम् बनाने में बुआ माहिर थीं। हर थोड़े-थोड़े समय में कुछ ऐसा पकवान बनवाती जो मुझे पसंद होते क्योंकि उन्हें यह अवश्य याद रहता था कि मुझे खाना कितना पसंद है। कभी ऐसा न हुआ कि मैं उनके घर से कुछ बिना खाए लौटा हूँ। बुआ हर चीज़ में साथ देती थीं। कभी कभी जब मम्मी स्कूल लेने आती तो बुआ साथ आजाती थीं। मुझे बहुत अच्छा लगता था। उनके साथ बिताया हर पल अनमोल है। जीवन में आगे बढ़ते, तो उनके प्रोत्साहन से। जीवन में अकेले होते, तो उनका साथ पाते। जीवन में भटके होते, तो सही मार्ग दिखातीं। जीवन में समस्याओं में होते, तो उनसे हर समाधान पाते। दुख में ख़ुशी, दुविधा में साहस आदि सब उनसे ही तो मिलता था। ख़ुशियों को हासिल करने के लिए जिस प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है वह बुआ से ही मिलता था। बुआ के साथ इतना समय बिताने के पश्चात जब अब अपने कमरे में टंगी उनकी फ़ोटो पे नज़र जाती है तो बहुत ग़म महसूस होता है। मेरे जीवन की ख़ुशी, हर्ष और साहस का स्तोत्र बुआ ही तो थीं। जीवन तो चल रहा है परंतु मुझे हर पड़ाव में बुआ की बहुत याद आती है। जिस व्यक्ति के साथ आप समस्त जीवन बिताओ, और अगर वह अचानक एक पल में चला जाए, तो दुख तो क्या, मन इस गंगालाभ को मानने के लिए तैयार ही नहीं होता। उनके साथ बिताया समय अभी भी महसूस होता है। उनके नाम से ही आँखें नम हो जाती हैं। मैं सत्य कहता हूँ कि मुझे आज भी जीवन के हर एक कार्य में बुआ की आध्यात्मिक उपस्थिति अवश्य महसूस होती है। आज यह लेख लिखते हुए दिल में एक असीम वेदना महसूस हो रही है। बुआ की असामयिक मृत्यु ने हमें द्रवित छोड़ दिया है। बुआ का वह खिलखिलाता चेहरा तस्वीरों में समा है। वह चहकती आवाज़ फ़ोन में सेव है। उनकी दी गई शिक्षाएँ हमारे ज़हन में हैं। उनका दिया असीम प्यार दिल में सदा महफ़ूस है। सब है, पर बुआ नहीं हैं .. - **शोकाकुलः आर्यन पाण्डेय पुत्रः कर्नल संदीप पांडेय एवं शिल्पा चतुर्वेदी** (नई दिल्ली)

(र.क्र - 2034)

शाखा समाचार

लखनऊ

रविवार 10 सितंम्बर को श्री माथुर चतुर्वेदी मंडल लखनऊ की

आम्रपाली में आयोजित आमसभा में मासिक पत्र चतुर्वेदी संदेश का विमोचन मेजर जनरल अजय जी एवं डॉ अरविंद चतुर्वेदी, आई पी एस ने किया। समारोह की शुरुआत प्रसिद्ध गायक किशोर चतुर्वेदी की गणेश वंदना से हुआ। मंडल के संरक्षक गण महेश जी,शैल जी, पुत्तन जी, विपिन जी के साथ ही गणेश जी ने भी मंच से अपने अपने संदेश के अनुभव साझा किए। मंडल के अध्यक्ष अजय जी एवं मंत्री नमन जी ने सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। श्रीमती तनूजा, श्रीमती बबीता, श्रीमती अमिता के अलावा पदम जी, नवीन जी, पंकज जी, सौरभ जी,राजीव जी, ललित जी, विनय जी, संजय जी, निखिल जी, शिशिर जी ने भी सामाजिक गतिविधियों पर अपने अपने विचार व्यक्त किए। समारोह का संचालन पत्र के संपादक दिलीप सिकंदरपुरिया ने किया। समारोह की मेजबानी प्रवेश मुन्ना परिवार ने की।

– नमन मंत्री/सौरभ सहमंत्री

ग्वालियर

श्री माथुर चतुर्वेदी शाखा सभा ग्वालियर द्वारा आयोजित 20 अगस्त,2023 रविवार को पिकनिक स्वर्गीय मुरलीधर जी के वृंदावन गार्डेन में संपन्न हुई। सामाजिक लोगों ने इस कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेकर आयोजन को सफल बनाया। सुबह 11 बजे से नाश्ता एवं चाय से प्रारंभ होते हुए महिलाओं और बच्चों ने होजी अंता क्षरी के कार्यक्रमों से मनोरंजन की शमा बांध दी। एक जगह एकत्रित लोगों के समूह में सामाजिक समस्याओं और उनके निदान पर चिंतन कार्यक्रम के मूल उद्देश्य को साकार होते हुए दिखा। आयोजन में पधारे प्रमुख लोगों में श्री नानक चंदजी, श्री सुधीरजी, श्री योगेंद्र नाथ जी, श्री अनिल चौबे, श्री मुकुलजी, श्री अमरकांत जी, श्री आनंदजी, डा मनोजजी, श्री दिवाकर जी, श्री सुकेश जी, श्री सुयश जी, कमलकांत जी, उमेशजी, श्री संदीप (नानूजी), अश्वनी जी, संदीपजी, श्री सुनीलजी आदि तक़रीबन 150। 160 आदमी एवम् महिलाओं ने उपस्थित होकर आयोजकों के परिश्रम को सार्थक कर उत्साहित किया। कार्यक्रम के अंत सु स्वादित भोजन में दाल बाटी, बाफले, टिक्कर, पुलाव, कढ़ी, आलू की सब्जी,चटनी, चूरमा के लड्डू आदि का आनंद सभी ने एक साथ बैठकर पंगत में खाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष श्री अजय तिवारी, मंत्री आकाश, अभिषेक (गप्पु), मास्टर प्रमेंद्र, कुलदीप और विकास ने अथक परिश्रम किया जिसके लिए सभी को साधुवाद।

– **करुणेश चतुर्वेदी,** होलीपुरा/ ग्वालियर

मैनपुरी

दिनांक 21–9–2023 दिन गुरुवार को चतुर्वेदी शाखा

सभा,मैनपुरी कार्यकारिणी सदस्य व श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य श्री राहुल चतुर्वेदी को भारतीय जनता पार्टी ने जिला अध्यक्ष मनोनीत किया। इसलिए मैनपुरी शाखा सभा की कार्यकारिणी द्वारा सभा के अध्यक्ष मनोज मिश्र के निवास पर सम्मानित किया किया।

– **मनोज मिश्र,अध्यक्ष**

समाज समाचार

- भारत एवं विश्व पटल पर भारी उद्योग निर्माण यांत्रिकी के उपयोगिता में दो दशक के अनुभव और विशेष आयाम स्थापित करने के बाद उनकी कम्पनी CNH CASE(INDIA) ने श्री शलभ चतुर्वेदी को भारत एवं सार्क देशों के लिये महाप्रबंधक के पद पर नियुक्त किया है। इस समाचार को भारत और विश्व के यांत्रिकी संबन्धित समाचार पत्रों ने प्रमुखता से स्थान दिया है। उनकी कम्पनी विभिन्न इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण में उपयोग होने वाली मशीने जैसे backhoe, vibrater, road roller, excavator आदि का निर्माण करती है। चि. शलभ डॉ. ऋषभ चतुर्वेदी (कमतरी/देहरादून) के पुत्र हैं। अवसर पर अपने अन्नपूर्णा सहायतार्थ 11,000/- प्रदान किया बधाई (र.क्र.2024)

- अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड में चि. धवल पुत्र श्री अंकित चतुर्वेदी (मथुरा/गुरुग्राम) ने गुरुग्राम में तृतीय स्थान प्राप्त किया और ताम्र पदक जीता। बधाई

- सुश्री तूलिका मिश्रा सुपुत्री श्री विवेक मिश्रा - श्रीमती गरिमा मिश्रा (कम्पिल/कानपुर) ने बी. टेक. (कंप्यूटर साइंस & इंजीनियरिंग) आई.आई.टी. बी. एच.यू. वाराणसी से उत्तीर्ण कर Palantier Tech.,London में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर नियुक्ति प्राप्त की। इस अवसर पर विवेक जी द्वारा पत्रिका सहायतार्थ 5100/- प्रदान किये। बधाई (र.क्र.-2023)

- श्रीमती जया चतुर्वेदी ने अपनी भतीजी कु. तूलिका मिश्रा (पाखी)- आईआईटीएन सुपौत्री स्व0सुरेन्द्र नाथ मिश्रा (कम्पिल/कानपुर)एवं स्व0 विष्णु मिश्रा ,सुपुत्री श्री विवेक मिश्रा एवं गरिमा मिश्रा के लंदन की एक कंपनी में कम्प्यूटर साफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर नियुक्ति होने की खुशी में ₹1100/- चतुर्वेदी चंद्रिका को दान करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना करती हूँ। (र.क्र1983)

- जाह्नवी चतुर्वेदी पुत्री डॉ. मनोज चतुर्वेदी - डॉ. स्मिता चतुर्वेदी (आगरा) ने नेशनल पावर लिफ्टिंग में गोल्ड मेडल जीता। बधाई

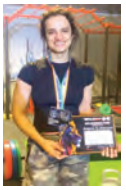

- श्री कौशल चतुर्वेदी के पौत्र रत्न की प्राप्ति एवम चि.तनुज - श्रीमती पूर्वा चतुर्वेदी (फरौली/भोपाल) के पुत्र प्राप्ति के उपलक्ष्य में कुलदेवी मंदिर हेतु 1001/- एवं 501 रुपये पत्रिका सहायतार्थ प्रदान किये। इसी के साथ चि. तनुज चतुर्वेदी को महिंद्रा ग्रुप द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर वार्षिक पुरस्कार प्राप्त हुआ। बधाई (र.क्र.-1975)

- चि. वेंकटेश चतुर्वेदी पुत्र श्री जयदीप चतुर्वेदी सुपुत्र स्व. डॉक्टर रमेश चंद चतुर्वेदी (मैनपुरी/लखनऊ) की नियुक्ति एम एन सी एटलसइन कॉरपोरेशन में असिस्टेंट सपोर्ट इंजीनियर के पद पर हुई। इस अवसर पर जयदीप जी ने महासभा सहायतार्थ 1100/- व पत्रिका सहायतार्थ 1000/- प्रदान किये। (र.क्र. -2014)

- स्व विजय चतुर्वेदी, योगी जी सुपुत्र स्व नरेशचंद्र जी (होली पुरा/कोलकाता) की स्मृति में श्री मदन चतुर्वेदी, कोलकाता, संरक्षक थे महासभा द्वारा रु 24000/ अन्नपूर्णा योजना हेतु महासभा को प्रेषित किए। (र.क्र.-2013)

बिछड़े स्वजन

* श्री वाय.एन. चतुर्वेदी (Retd.IAS) सुपुत्र स्व. किशोरी लाल जी चतुर्वेदी (चंद्रपुर/गुरुग्राम) का स्वर्गवास दिनाँक 20 सितंबर को प्रातः गुरुग्राम में हो गया।

* श्री मुकुल चतुर्वेदी सुपुत्र स्व. हेमंत कुमार चतुर्वेदी (फरौली/देहरादून/दिल्ली) का स्वर्गवास दिनाँक 15 अक्टूबर 2023 को दिल्ली में हो गया। आप स्व. पृथ्वीनाथ जी, पूर्व सभापति महासभा (होलीपुरा/ कोलकाता) के दामाद थे।

* महासभा के पूर्व उपाध्यक्ष श्री अर्जुन सिंह चतुर्वेदी (पुरा/फिरोजाबाद) का स्वर्गवास दिनाँक 14 अक्टूबर 2023 को फिरोजाबाद में हो गया।

* श्रीमती नूतन चतुर्वेदी पत्नी श्री अनिल चतुर्वेदी (कमतरी/दिल्ली) का स्वर्गवास दिनाँक 15 अक्टूबर 2023 को दिल्ली में हो गया।

* श्री गिरजा शंकर जी (तरसोख़र /देहली) का स्वर्गवास 94 वर्ष की आयु में दिनाँक देहली में हो गया।

* श्री मुक्ता प्रसाद चतुर्वेदी पुत्र स्व. श्री राम रतन चतुर्वेदी (फरौली/मुंबई) का स्वर्गवास लगभग 90 वर्ष की अवस्था में दिनाँक 09-07-2023 को मुंबई में हो गया।

* श्रीमती साधना पत्नी स्व. धीरेंद्र नाथ जी (पिनाहट/लखनऊ) का स्वर्गवास 12 सितम्बर 23 को 77 वर्ष की आयु में लखनऊ में हो गया।

* श्री अभिषेक चतुर्वेदी पुत्र स्व. श्री कमलेश्वर चतुर्वेदी (दूणी) का स्वर्गवास दिनाँक 16 सितंबर 2023 को प्रातः जयपुर में हो गया।

* श्री अभिषेक चतुर्वेदी पुत्र स्व. श्री कमलेश्वर चतुर्वेदी (दूणी) का स्वर्गवास दिनाँक 16 सितंबर 2023 को प्रातः जयपुर में हो गया।

* श्री शैलेन्द्र चतुर्वेदी पुत्र स्व.श्री प्रकाशचंद्र चतुर्वेदी (भवानीमंडी) का स्वर्गवास दिनाँक 16 सितंबर 2023 को जयपुर में हो गया।

* श्रीमती मीरा (मिम्मी) पत्नी श्री अनिल टिल्लू जी (कछपुरा/लखनऊ) का निधन दिनाँक 20/10/23 को लखनऊ में हो गया।

* श्रीमती वाणी पत्नी श्री आनंद चतुर्वेदी (तरसोखर/रायपुर) का स्वर्गवास दिनाँक 21 अक्टूबर 2023 को हो गया।

* श्रीमती ऊषा चतुर्वेदी (गुड़िया) पत्नी श्री धरनीधर चतुर्वेदी (झांसी/तरसोखर) का स्वर्गवास दिनाँक 24 अक्टूबर 2023 को हो गया।

महासभा एवं चतुर्वेदी चंद्रिका परिवार दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

II Shri Ganeshay Namaha II

दिपावली की हार्दिक शुभकामनायें ...

Prem Rice Mill

Pramodkumar Kashiramji Bhalotiya

Rohit Lokeshkumarji Bhalotiya

Sumit Lokeshkumarji Bhalotiya

Vinit Lokeshkumarji Bhalotiya

Tel. No. (Off.) : 07182 - 237869
Mob. No. : 9326812354
9326810020
9422831345

Plot No. C-1, MIDC, Mundipar, Gondia - 441614 (M.S.)
Office : Behind R.S. Weigh Bridge, Fulchur, Gondia - 441614

(र.क्र. 2023/2045)

विनम्र श्रद्धांजलि

स्व. पृथ्वी राज चतुर्वेदी 'राज बाबू'

पुरा कन्हैरा / दूण्डला / रिषड़ा

बैकुंठवास :– 17.09.2009

कितनी विभूति आती हैं, कितनी विभूति जाती हैं।
कितनों को भुलाने पर भी, वो मन मस्तक पर छा जाती हैं।।
- स्व. पृथ्वी राज चतुर्वेदी

विनम्र श्रद्धांजलि

पत्नी : श्रीमती सुधा चतुर्वेदी

पुत्र एवं पुत्रवधु : श्री अभय राज – नीतिका चतुर्वेदी
श्री सूर्य कान्त – विनीता चतुर्वेदी

पौत्र एवं पौत्री : श्रेयस, श्रेयांश, वैभव, भूमिका

अभय राज चतुर्वेदी
म.न. 1043, Sector –39,
साइबर पार्क के पीछे,
गुरुग्राम (हरियाणा)
9999161818
9911821818
abhayraj.chaturvedi@gmail.com

श्रीमती सुधा चतुर्वेदी
जनकपुरी, भगवान आश्रम
पोस्ट– दूण्डला–283204
जिला – फिरोजाबाद (उ. प्र.)
09330708625

सूर्य कान्त चतुर्वेदी (मोहन)
49/83 रविन्द्र सारणी
पोस्ट–रिसड़ा – 712248
जिला–हुगली (प. ब.)
09830181248
09339340297

दिपावली की हार्दिक शुभकामनायें ...

JAGDAMBA
JUTE INDUSTRIES

MANUFACTURER OF GUNNY BAGS & COMMISSION AGENT

With Best Compliments From :

Sunil Agrawal

98231 10723, 9326811927

Ayush Agrawal (Babu)

8551861900

Durga Sadan, Gurunanak Ward,
GONDIA - 441601 (M.S.)
Tel. : 07182-235851 (Factory),
237827 (Office)

(र.क्र. 2023/2045)

Nirmala Construction COMPANY

निर्मला कंस्ट्रक्शन कंपनी

गवर्नमेंट रजिस्टर्ड कांट्रैक्टर

Akshay Choubey

Proprieter

B.E. (Civil Engineering) – Priyadarshini College, Nagpur
M.Tech - Birla Institute of Technology, Mesra (Ranchi)

Bazariya Ward No.1, Jawalamai
Chouraha, Damoh(M.P.) -470661

+91 8770955872
+91 8602266219

- **किसी भी प्रकार की बिल्डिंग, घर, मॉल, कॉम्प्लेक्स, कालोनी के कंस्ट्रक्शन के लिए सेवा का अवसर प्रदान करे। तथा, कंस्ट्रक्शन मशीनर, जेसीबी, फियोरी, पोकलेन, के लिए संपर्क करे!**
- **हमेशा स्नेह और सहयोग देने के लिए माननीय सतीश चतुर्वेदी और आभा चतुर्वेदी (नागपुर) को विशेष धन्यवाद !**

दमोह परिवार - स्व. कैलाश नाथ चौबे(बगियावाले) , पुत्र - विनोद, देवेंद्र, गजेंद्र, राजेंद्र,स्व. नीरज चौबे।

भाई - तनय, सार्थक, विभोर, सुयोग, यश चौबे।

(र.क्र. 2023/1425) 3/6

श्रद्धासुमन

(शत्–शत् नमन)

वक्त के साथ जख्म तो भर जाएगे,
मगर जो बिछड़े सफर जिंदगी में,
फिर ना कभी लौट कर आयेंगे...

स्व. साधना चतुर्वेदी

10 अप्रैल 1960–23 फरवरी 2021
पत्नी श्री मनोज कुमार चतुर्वेदी
(रि. उप अधीक्षक)–आगरा

स्व. मनोरंजन कुमार चतुर्वेदी
(जय हिन्द)

20जून 1952–28 अप्रैल 2021
पुत्र स्व. श्री केदार नाथ चतुर्वेदी

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. केदारनाथ चतुर्वेदी स्व. गुलाब चतुर्वेदी

स्व. अभिषेक चतुर्वेदी
(डॉन)

मुकेश - शीला चतुर्वेदी, आगरा
मनोज कुमार चतुर्वेदी, आगरा
मंजुला चतुर्वेदी, गुरूग्राम

आशीष (रानू) - चारू चतुर्वेदी
अनुराग - प्राची चतुर्वेदी
अंशुमान - नेहा चतुर्वेदी
अंकित - स्वाति चतुर्वेदी
फाल्गुनी चतुर्वेदी

सार्थक, कार्तिक, सोनाक्षी, काव्या, धवल, युवराज, कायरा, अलंकृता
एवं समस्त खजांची परिवार, मथुरा

5 बसन्त आवास, मुगल रोड, कमला नगर, आगरा

मो. 9627776666, 9627778555, 9837071785, 9759099447, 9759099448

(र.क्र. 2023/2046)

श्रद्धांजलि

श्री अर्जुन सिंह चतुर्वेदी (पुरा/फिरोजाबाद)
पूर्व उप सभापति, महासभा

श्रद्धावनत

सभापति :- डॉ. प्रदीप चतुर्वेदी (दिल्ली)

उप सभापति :- कैलाश चतुर्वेदी (कासगंज),
मनोज चतुर्वेदी (बैंगलोर), विनोद चतुर्वेदी (मुम्बई)

सचिव :- मुनीन्द्र नाथ चतुर्वेदी (नोएडा)
सह- सचिव :- भरत चतुर्वेदी (रिषड़ा), आशुतोष चतुर्वेदी (कानपुर),
ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी (गाजियाबाद), अंशुमान चतुर्वेदी (जयपुर)
कोषाध्यक्ष :- महेश चंद्र चतुर्वेदी (दिल्ली)
संपादक, चतुर्वेदी चंद्रिका :- शशांक चतुर्वेदी

एवं समस्त कार्यकारिणी, श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा

With Best Compliments From :

CHOUBAY & CO.

59/49-A, BIRHANA ROAD, KANPUR - 208001
PH. (OFF.) 2312142, 2312143, 2356937
(RES.) 2556063, 2553470, FAX : 0512-2356938
E-mail : choubaycompany@gmail.com
Website : www.choubay.com

SELLING AGENTS OF U.P. FOR

GLOSTER CABLES

CHOUBAY & CO. (Agencies) Pvt. Ltd.

59/49-A, BIRHANA ROAD, KANPUR - 208001
(A CLASS ELECTRICAL CONTRACTORS)

DISTRIBUTORS FOR

- CROMPTION GREAVES LIMITED FOR LIGHTING & HT PRODUCTS.
- 3M INDIA TERMINATION KITS & SAFETY PRODUCTS
- SCHNEIDER ELECTRICALS SWITCH GEARS.
- INDO ASIAN MCB'S, DB'S, FUSES.
- KANOHAR TRANSFORMERS
- NTC STEEL TUBULAR POLES.

SISTER CONCERN

M/s. SHREE DATAWARE (P) LTD.
M/s. SHREE SALES CORPN, KANPUR & DELHI
M/s. CHOUBAY & Co. (DISTRIBUTORS)

(र.क्र. 2023/2051)

REECOMPS
Teleservices Pvt. Ltd.

Reecomps
Tele-services

Our Vision is to become a Largest & Most Trusted Service Provider Company in Telecom Sector of India.

About Us

Reecomps Teleservices Pvt. Ltd. established in 2014 , is a leading Telecom Services Provider Company in offering services and solutions to address the Network Life Cycle requirements of Telecom Operators.....

- Integrity, Ethics and Transparency
- Proactively Manage Change
- Work as a One Team
- Delight Customers through Superior

दीपावली की शुभकामनाएं

VIVEK CHATURVEDI
Founder

: ADDRESS :

REECOMPS TELESERVICES PVT LTD
B-2084/89 , Oberoi Garden Chandivali Farms Road,
Chandivali Andheri (East),
Mumbai – 400072, Maharashtra, India
Web : www.reecomps.in, Email : info@reecomps.com
Phone : 022 – 28570133 / 34

(र.क्र. 2023/2049)

Wish You a Very Happy Dipawali

Lac Processing Industry

High Class Shellac & Seedlac Manufacturers

KESHAR
AGROTECH

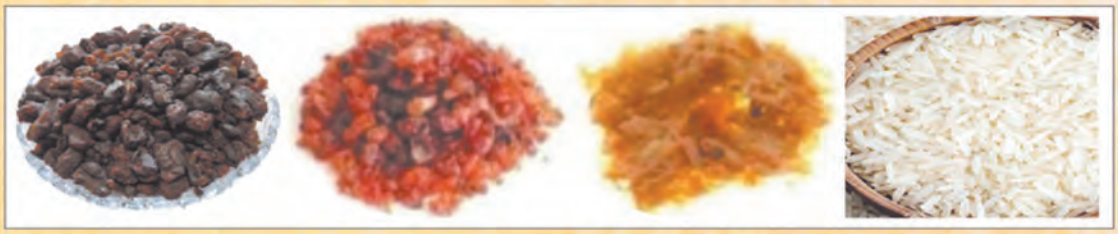

Lakh Lakh Dana Lakh Chapda Rice

With Best Compliments From :

*** Pravin Pardhi *Mahendra Pardhi**

Post- Mangejhary (Jairamtola), Tah. Waraseoni, Dist. Balaghat (M.P.) - 481331
E-mail : mahendrapardhip@gmail.com, Website : www.cklac.com
Works: 3/2 Village Kera, Post- Bhandi, Tehsil- Waraseoni, District- Balaghat ,(M.P.) 481331
Reg. Office: Village Dongariya, Waraseoni Road, Tehsil- Lalburra, District- Balaghat, (M.P.)481331
8989004872 , kesharagrotech@gmail.com

R.N.I. NO. MAR/2000/2438
डाक पंजीयन संख्या म.प्र./भोपाल/44/2021–23
''चतुर्वेदी चन्द्रिका'' अक्टूबर–नवम्बर 2023

पत्र व्यवहार का पता– ''चतुर्वेदी चन्द्रिका'' ई–8/जी–2/255,
गुलमोहर कॉलोनी, अरेरा कॉलोनी, भोपाल–39,
ईमेल –sampadak.chaturvedichandrika@gmail.com

(रा.क्र. 1295)11/12